राज
कॉमिक्स
सुपर विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 5
फाइटर टोड्स सीरीज
जाली नोट

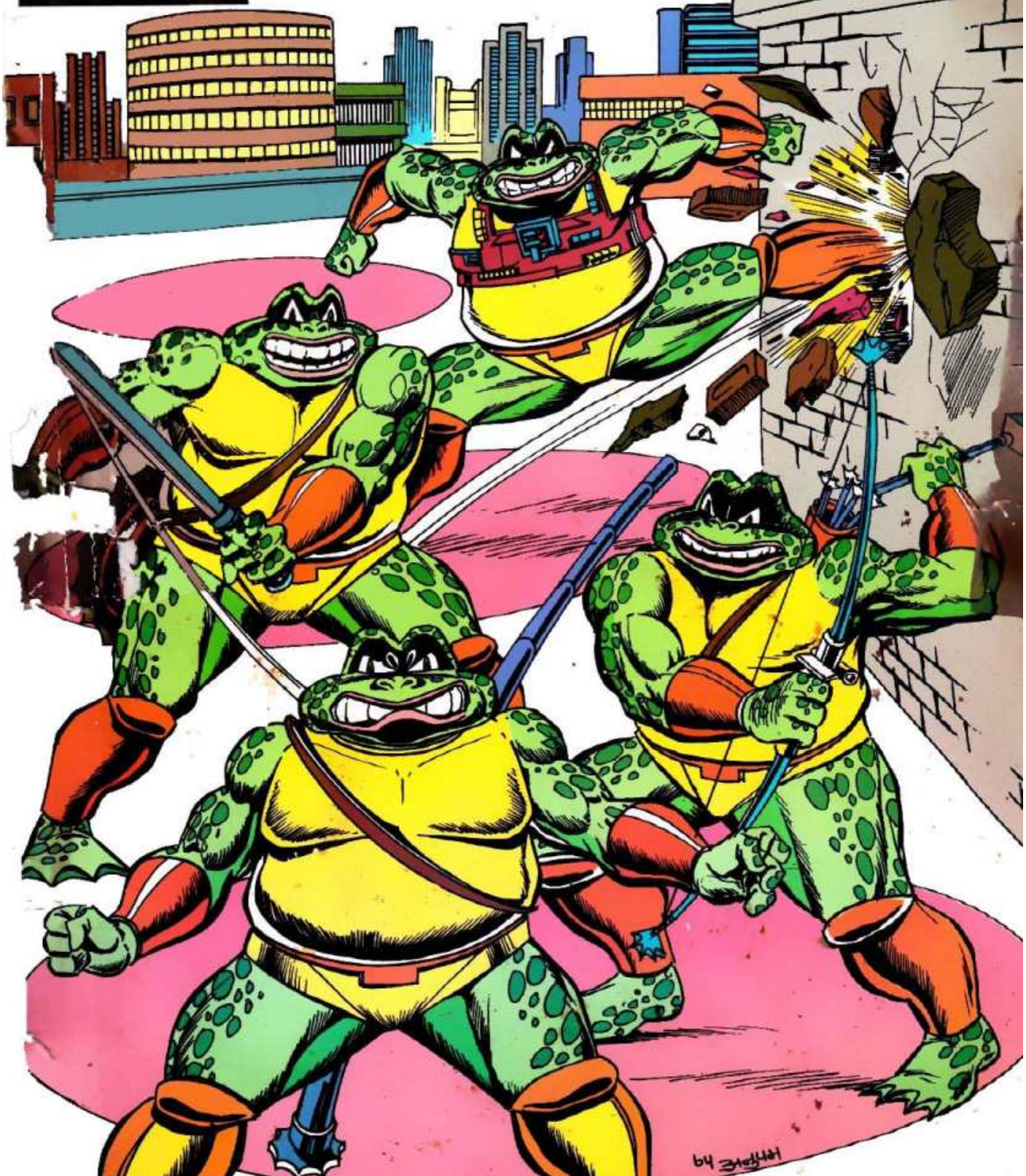

जालीनोट

फाइटर टोड्स सीरीज

कथासार. अनुपम सिन्हा. | लेखक. तरुण कुमार वाही. | चित्र. अनुपम सिन्हा.

संपादन. मनीष गुप्ता. | सुलेखन एवं रंगसज्जा. सुनील पाण्डे.

राजापुर की घनी बस्ती—
अशोक विहार।
और अशोक विहार वालों के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण जगह है—
50,000 L.T.
पानी की विशाल टंकी।
और रात भर जागने के लिए—
रात भर चाय पीते रहते हैं।
तू भी यारों का यार है, छंगू!
महीनों बाद मिला है, लेकिन चाय का पूरा थर्मस भर कर लाना भूला नहीं!
जो भूल जाए, वह यार कैसा, जिलावर!
क्या कड़क चाय पिलाई है!
आज तो पेट खुलकर साफ..
साफ! रेई!
कुछ ज्यादा कड़क चाय है!
छः बजे वाला प्रेशर चार बजे ही बनने लगा!
जहां पर चौकीदार चौबीसों घंटे तैनात रहते हैं!
हैं हैं हैं, यारो! मैं जरा स्मक राउण्ड मारकर आता हूं!
कुछ प्रेशर बन गया! समझ गए न?
अरे, इस पर भी किसी का बस है क्या? जाओ, जाओ!
मंगू, जा! फटाफट ऊपर चढ़कर अपना काम कर आ!
इस भड़ाक-भड़ाक में जिलावर कुछ नहीं सुन पाएगा!
भाग कर जा, बेटा जिलावर! हमने तुझ को चाय में जो दवाई मिला कर पिलाई है, उससे तो तेरा पेट प्रेशरकुकर बन जाएगा!
और तब तक हम अपना काम करके यहां से फूट चुके होंगे!

राजापुर में सुबह धूम-धाम से निकलती है—
उठ जा, बेटा पप्पू! सुबह हो गई।
आज स्कूल बंद है, पापा! सोने दो।
अबे नहाकर फिर सो जाना, वर्ना पानी बंद हो जाएगा!
अरे भागवान! मेरे सारे कपड़े क्यों उतार लिए? कुछ तो बदन पर छोड़ देतीं!
फिर पानी चला जाएगा जी! और कल आपको फिर गंदा कच्छा पहनना पड़ेगा!
'सारे' बर्तनों में पानी भरने को कहा था, तुमसे! ये चम्मच क्यों छोड़ दिए?
थोड़ा, थोड़ा पानी तो इनमें भी आ ही जाएगा!
और शहर के एक छोर पर—
कटर, शूटर, उठो। सुबह हो गई!
सुबह हो गई, सुबह हो गई!
अबे, तुझे गटर के अंधेरे में पता कैसे चल जाता है कि सुबह हो गई?
सुबह होते ही गटर में पानी का स्तर बढ़ जाता है!
इलाके के सारे लोग एक साथ नहाते हैं न!
नहाना! अहा नहाना!!
क्या बात कही है, केप्यूटर भाई! मन मचल गया!
टोड और पानी तो एक दूजे के लिए ही बने हैं।
चल, शूटर! आज एक साथ नहाते हैं।
और फिर-
हो पुतरा! ठंडे, ठंडे पानी से नहाना चाहिए
गाना आए या ना आए, गाना चाहिए
वाटर पाइप लाइन
(टंकी का पानी)
हो पुतरा

हो पुतरा... पुत...
यह मेरे बदन को क्या हो रहा है?
मेरे बदन पर एक साथ इतनी चींटियां कैसे रेंग रही हैं?
शूटर यार, जरा पीठ तो खुजला!
रुक जा! मुझे भी बगल में खुजली हो रही है!
हाथ खाली हो जाए, तो तुझे खुजलाऊं!
और कुछ ही मिनटों बाद कटर और शूटर कई तरह के नृत्य एक साथ कर रहे थे।
अरे, टोड-देव!
दो ही हाथ क्यों बताए?
इस समय तो दस हाथ होते, तो भी कम पड़ते।
चलो, कटर, शूटर!
अब हम दोनों नहा...
अरे, वाह!
तुम लोगों को नहाने से कितनी खुशी मिली है! नाच रहे हो!
चुप बे!
हम दोनों को नहाने के बाद से भयंकर खुजली हो रही है!
कमाल है!
लोगों को नहाने के पहले खुजली होती है!
और तुम लोगों को नहाने के बाद हो रही है!
अब बड़बड़ की तो खुजलाना छोड़कर मुंह तोड़ दूंगा तेरा!
ये हमारी खुजली बन्द करा!
शांत, शांत!
एक मिनट!

लो! मिल गया उपाय!
तुम्हारा इलाज है, खुजली की दवाई!
और जल्दी ही-
MEDICAL STORE
अंग्रेजी दवाई की दुकान
और वह मिलती है, दवाई की दुकान पर।
चलो, तुम्हारी दवाई लेकर आते हैं।
लो! वह रही दवाई की दुकान।
और सभी खुजला रहे हैं!
लगता है कोई भूत की बीमारी फैली है!
RAT
लेकिन वहां पर तो जबर्दस्त भीड़ लगी है।
चलो हम भी...
अरे, पैसे तो दो!
फ्री में दवा चाहिए क्या?
पैसे ला!
अरे, भाई साहब! इतनी भीड़ क्यों लगी है, दवाई की दुकान पर?
क्योंकि इस इलाके के सब लोगों को एक साथ खुजली हो गई है!
एक तो इतनी भीड़ है!
ऊपर से दुकानदार पैसे यानि मुद्राएं मांग रहा है!
जो हमारे पास हैं नहीं! चल कुछ और जुगाड़ करते हैं।
और वहीं पर-
वाह! पूरा शहर खुजला रहा है!
DELIVERY VAN
दुकानदार भी खुजलाते, खुजलाते दवाई बांट रहा है। इसीलिए इतनी देर लगा रही है!
और इस वक्त दवाइयों की दुकान पर खुजली की एक ही दवाई है!...

हमारे दादू बॉस द्वारा बनाई गई, खुजली की नकली दवाई...
...डिस्को डर्म!
स्कास्क इतनी डिमांड बढ़ गई है, कि सुबह से दूसरी बार सप्लाई करने आना पड़ा है।
अभी तो डिमांड और बढ़ेगी। क्योंकि इस नकली दवाई का असर सिर्फ छः घंटे तक रहता है।
उसके बाद खुजली फिर शुरू हो जास्गी।
DISCO DER
मास्टर, वो देखो! उस आदमी के पास खुजली की वही दवाइयाँ हैं, जो उस दुकान से लोग लेकर निकल रहे हैं।
हाँ, चल उसी से स्क दवाई मांग लेते हैं। वह इतनी सारी दवाइयों का क्या करेगा?
घंगू! तुझे तो बॉस मालामाल कर देगा! तूने पानी की टंकी में खुजली का पाउडर क्या सफाई से मिलाया है!
ठहरो, बदमाशो!
हम अभी तुम्हारी सिंकाई करते हैं।
धप्प
हैं! यानि पानी में खुजली का पाउडर मिला हुआ था!
और यह इन लोगों ने मिलाया था!
अबे, बड़बड़ करके मरवा दिया न!
पर ये हैं कौन? पुलिस वाले तो नहीं लगते हैं!
हम पुलिस के पास पहुंचाने वाले हैं।
ये खुजली तूने ही मुझे करवाई है न।

अरे, सुनो तो...
आऊ!
भाड़
धाड़
सुनते हैं!
लेकिन पहले अपने हाथ की खुजली तो मिटा...
...खुजली!
ओह!
आह!!
खुज खुज
खुजलाने में कितना मजा...
आऊ!
पीटो सालों को! वर्ना ये हमारा भेद खोल देंगे!
तड़ाक!
अरे! हम खुजलाते जा रहे हैं!
और ये हमें पीटते जा रहे हैं।
मास्टर, तू इनको बचाता क्यों नहीं?
उसकी कोई जरूरत नहीं है, कंप्यूटर!
कटर और शूटर खुद ही कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे।

रास्ता, कटर्र ने निकाला—
ऐसे तो हम पिटते रहेंगे, शूटर्र!
और मैं इनकी सुताई करता हूं!
जरा और नीचे खुजाओ!
तड़
ऐसा करते हैं, तू मुझे खुजला...
वाह! फिर तू मुझे खुजाना!
और मैं इनकी पिटाई करूंगा!
धड़ाक
कुछ ही सेकेण्डों की पिटाई में गुंडे ठंडे हो गए।
कड़ाक
वाह शूटर्र! और ज़ोर से!
अरे, चाचा जी! पापा जी!
हमको क्यों मार रहे हो?
तूने खुजली का पाउडर पानी में क्यों मिलाया?
वह तो हमारे फूफा के भतीजे बंटू ने शरारत में मिला दिया था।
इसीलिए तो हम ये दवाइयां... 'फ्री' में बांटने आए हैं।

जियो, मंगू! क्या सिचुएशन को संभाला है!
हुम! फ्री में दवाई! तो ला! दस दवाइयां दे दे!
गलती तो सबसे होती रहती है। क्यों, कटर?
सच बात है, भाई!
जरा पेट पर तो खुजलाओ!
और थोड़ी देर बाद-
दवाई तो कमाल की थी!
एक झटके में आराम आ गया!
देखा कंप्यूटर?
आ गए न अपने टोड जीतकर!
जरा टी॰ वी॰ तो चलाना, कंप्यूटर!
अब अपने आप टी॰ वी॰ चलाना सीख लो!
मैं तुम लोगों का नौकर नहीं हूं।
और उसी वक्त — कुएं के ऊपर—
मुन्नी लाल, देखो तो! पब्लिक कितनी बेइमान हो गई है।
बगैर हमें रिश्वत खिलाए, कोई कटिया मारकर बिजली की चोरी कर रहा है!
लेकिन कुएं में बिजली का क्या काम?
अरे, पानी वाली मोटर चलाता होगा!
निकाल दे कटिया!

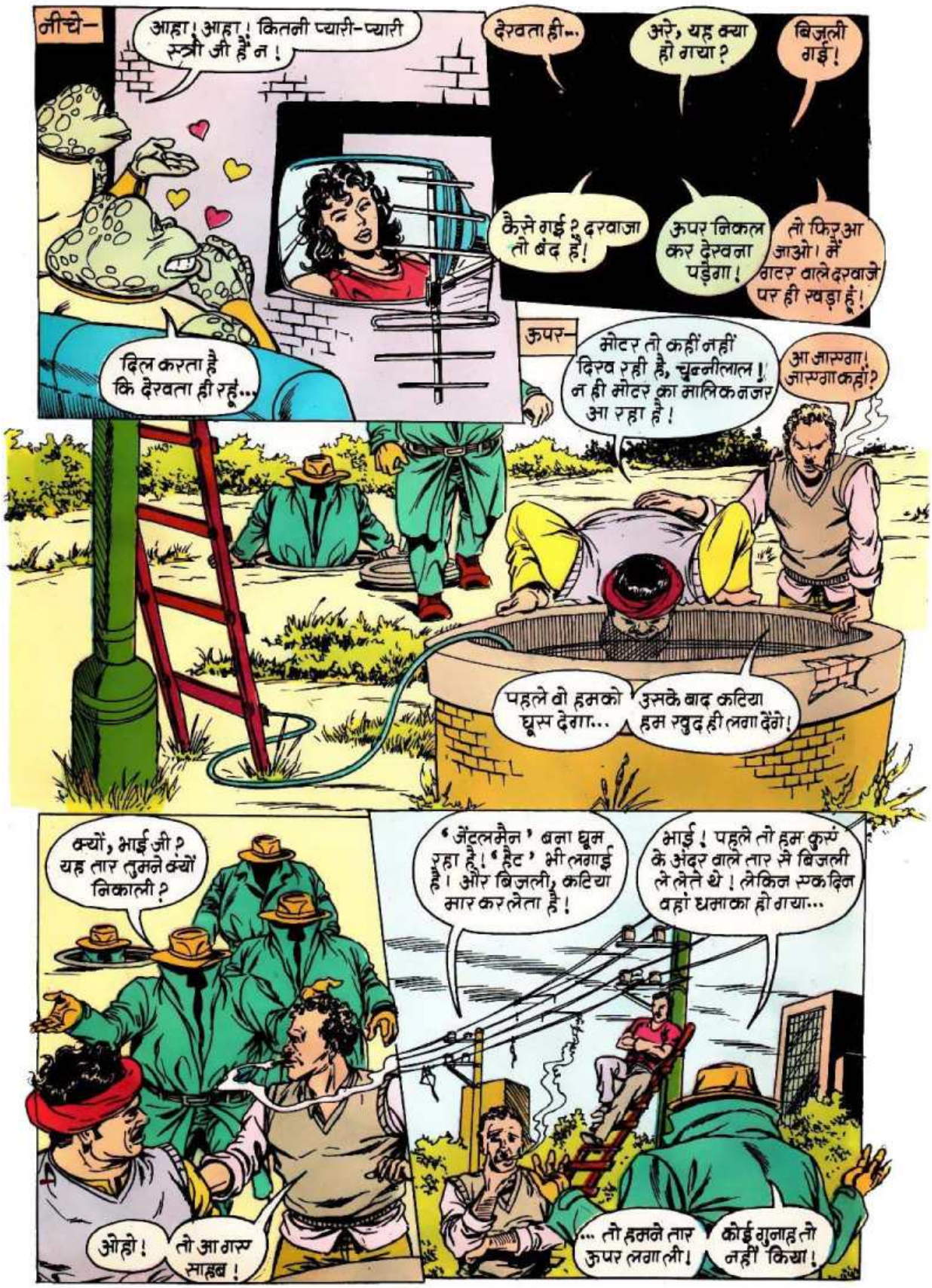
नीचे–
आहा! आहा! कितनी प्यारी-प्यारी स्त्री जी हैं न!
देखता ही...
अरे, यह क्या हो गया?
बिजली गई!
कैसे गई? दरवाजा तो बंद है!
ऊपर निकल कर देखना पड़ेगा!
तो फिर आ जाओ। मैं गटर वाले दरवाजे पर ही खड़ा हूं!
दिल करता है कि देखता ही रहूं...
ऊपर–
मोटर तो कहीं नहीं दिख रही है, चुन्नीलाल! न ही मोटर का मालिक नजर आ रहा है!
आ जाएगा! जाएगा कहां?
पहले वो हमको घूस देगा...
उसके बाद कटिया हम खुद ही लगा देंगे!
क्यों, भाई जी? यह तार तुमने क्यों निकाली?
'जेंटलमैन' बना घूम रहा है! 'हैट' भी लगाई है। और बिजली, कटिया मार कर लेता है!
भाई! पहले तो हम कुएं के अंदर वाले तार से बिजली ले लेते थे! लेकिन एक दिन वहां धमाका हो गया...
ओहो!
तो आ गए साहब!
... तो हमने तार ऊपर लगा ली!
कोई गुनाह तो नहीं किया!

वाह वा! क्या अंदाज है!
एक तो चोरी, ऊपर से सीनाजोरी!
चोरी!
यानि हम चोर हैं!
अब तुम खुद ही कुबूल कर...
ईयायाऊ!
कटर को चोर कहता है!
ताड़
कटर के साथ-साथ-
सभी का खून खौल उठा था-
भाड़
ताड़
भड़ाक
धड़ाक
ही ही ही! ऊपर चढ़कर बिजली ठीक करने का फायदा देखा न!
नीचे सब पिट रहे हैं...
...लेकिन मैं सुरक्षित...
अरे मर गया रे!
एक टाक

आऊ आ!
निकले थे मांगने घूस, और मिल गया घूंसा!
धम्म
अब बोल! क्या बोल रहा था, हमको?
आईईई! मेरी नाक घोंड़!
मैं नहीं बोलता! जा नहीं बोलता!
अब नहीं बोलता, तो तब क्यों बोला था?
बोल, हमें 'चोर' क्यों कहा था?
अगर बिजली चाहिए तो 1000/- रुपए की सिक्योरिटी जमा कराओ!
मीटर लगवाओ! और हमें माफ कर दो, बड़े कोट वाले भइयां!
हम तो मामूली सरकारी कर्मचारी हैं!
बहूहूहू! बताता हूं, बताता हूं! तुम लोग जो काम कर रहे थे, उसे कानून के हिसाब से चोरी कहते हैं!
बिजली की चोरी?
हां, कटिया मारकर बिजली लेना भारी अपराध कहलाता है!
जाइए, कर्मचारी जी! हम अपनी भूल पर शर्मिन्दा हैं!
टोड, गहरे सोच-विचार में डूब गए।
यह 'रुपए' क्या होता है, कंप्यूटर?
पैसे यानि मुद्राओं को रुपए भी कहते हैं!
पर मुद्रा तो हमारे पास है नहीं। हमको मुद्राओं का क्या काम?
हां, टोडदेव की कृपा से हमको ज्यादा भूख लगती नहीं। खाने को कीट-पतंगें ही काफी हैं।

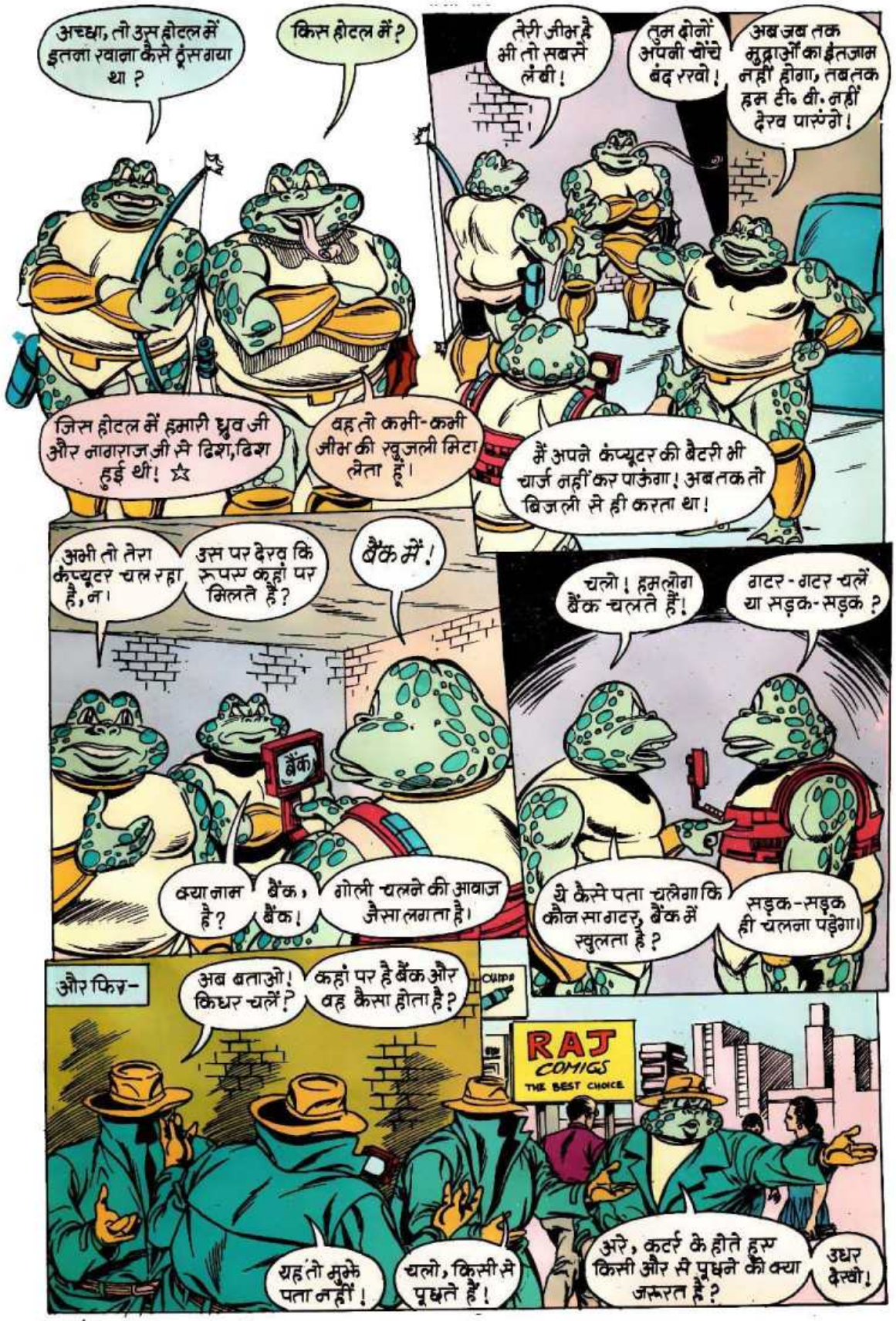

अच्छा, तो उस होटल में इतना खाना कैसे ठूंस गया था ?
किस होटल में ?
जिस होटल में हमारी ध्रुव जी और नागराज जी से ढिश, ढिश हुई थीं! ☆
वह तो कभी-कभी जीभ की खुजली मिटा लेता हूं।
तेरी जीभ है भी तो सबसे लंबी!
तुम दोनों अपनी चोंचे बंद रखो!
अब जब तक मुद्राओं का इंतजाम नहीं होगा, तबतक हम टी. वी. नहीं देख पाएंगे!
मैं अपने कंप्यूटर की बैटरी भी चार्ज नहीं कर पाऊंगा! अबतक तो बिजली से ही करता था!
अभी तो तेरा कंप्यूटर चल रहा है, न।
उस पर देख कि रुपए कहां पर मिलते हैं?
बैंक में!
बैंक
क्या नाम है?
बैंक, बैंक!
गोली चलने की आवाज जैसा लगता है।
चलो! हमलोग बैंक चलते हैं!
गटर-गटर चलें या सड़क-सड़क ?
ये कैसे पता चलेगा कि कौन सा गटर, बैंक में खुलता है ?
सड़क-सड़क ही चलना पड़ेगा।
और फिर-
अब बताओ! किधर चलें?
कहां पर है बैंक और वह कैसा होता है?
RAJ COMICS THE BEST CHOICE
यह तो मुझे पता नहीं!
चलो, किसी से पूछते हैं!
अरे, कटर के होते हुए किसी और से पूछने की क्या जरूरत है?
उधर देखो!

☆ पढ़िए: फाइटर टोड्स

अरे वाह! कितना बड़ा वाहन है! और कितने सारे लोग चढ़े हुए हैं!
पर ये लोग जा कहां रहे हैं?
WHITE LINE EXPRESS
कल टी॰वी॰ पर एक आदमी बोल रहा था कि इस दुनिया में सबको पैसे की जरूरत पड़ती है...
...सब लोग घर से बाहर पैसे के लिए ही निकलते हैं!
मतलब?
मतलब कि ये सारे लोग पैसों के लिए निकले हैं!
और पैसे मिलते हैं, बैंक में!
यानि... यानि... ये सब लोग बैंक जा रहे हैं, और यह वाहन भी बैंक जा रहा है!
वाह, कटर्र! जियो, मेरे राजा!
पुच
आओ! लपककर चढ़ लो इस वाहन में!
बस के अन्दर-
आहा! अब बैंक पहुंचे तो चैन पड़े!
नारायणा एक!
आर॰के॰ पुरम एक!
ये लोग क्या बोल रहे हैं, मास्टर?

मेरे ख्याल से ये अपने-अपने नाम बोल रहे हैं!
इस वाहन में चढ़ते समय अपना नाम बताना पड़ता होगा!
हम लोग भी बता दें ?
बताना ही पड़ेगा!
बोलो, बोलो भई!
शूटर्र !
कटर्र !
कंप्यूटर्र!
मास्टर्र !
अरे! टिकट बोलो, भाई!
टिकट
टिकट
टिकट
टिकट
बहरे हो क्या? मैंने कहा टिकट बोलो!
बोल तो दिया, 'टिकट'! कितनी बार बोलें ?
हैं! लगता है कि इंग्लिस्तान से आया है!
टिकट ले लो, भइया! बगैर टिकट मत चलो!
तो दे दो भइया! हम टिकट लेने से कब मना कर रहे हैं!
फोकट में कैसे दे दूं, भइया! किराया निकालो, भइया!
किराया?
यह क्या होता है?
'किराया' मतलब पैसे!
बस में सफ़र करने का चार्ज!
पैसे तो हम टोड रखते नहीं, भाई!
शीऽऽऽऽऽ! 'टोड' मत बोल, कटर्र!

पैसे नहीं हैं, तो चढ़े क्यों?
उतर नीचे!
रामसिंह, 'ची' से ब्रेक मार!
चीईईईई
उतरो!
क्यों उतरें?
क्या ये वाहन तेरा है?
वाहन! क्या गाड़ी हिन्दी मारी है!
ये वाहन 'बस' कहलाता है, बेटे! और है तो बस 'सरकार' की, पर किराया मैं लेता हूं।
बस 'सरकार' की! और किराया तू लेता है!
हद हो गई गुंडागर्दी की।
गुंडा! मैं गुंडा हूं?
तुझे समझाना बेकार है!
उठा कर नीचे फेंकना पड़ेगा।
दस साल की अखाड़े की प्रैक्टिस आज काम आएगी।
और 'गर्दी' भी! जा सरकार को बुला कर ला!
हम उसी से बात करेंगे।
यानि अब मैं भी तुझे हाथ लगा सकता हूं।
तड़ाक
अरे!
अरे!
तूने मुझे हाथ लगाया?...
अरे!? मर गया रे!

भीड़, तमाशा देखती रही!
कोई भी, बीच में टांग अड़ाना नहीं चाहता था।
आऊ!
हाथ की जगह हथौड़ा फिट कराया है क्या?
भड़ाक
बस! बस!
फिर 'बस' बोला?
ये दूसरा बस है! यानि रुक जाओ। माफी दे दो। माफी!
आप साहब लोगों को कहां जाना है?
बैंक
लेकिन यह 420 नम्बर रूट की बस है! इस रूट में कोई बैंक नहीं आता।
हमको बेवकूफ समझता है!
दूं, एक और लाफा!
न...नहीं, साहब जी!
ड्राइवर साहब, कृपया 420 रूट वाली बस को 840 के रूट पर ले चलें!
मेरी जान का सवाल है!
और बड़े साहब लोगों को बैंक जाना है!
कमाल है, कंडक्टर साहब!
हम बाकी पैसेंजर कीड़े-मकोड़े हैं क्या?
चार सवारियों के लिए रूट बदल रहे हो?
चींईईईई
वो झापड़ तुमको पड़ जाता तो तुम शहर बदल लेते पैसेंजर जी...
...मैं तो सिर्फ रूट बदल रहा हूं!

और फिर–
धन्यवाद जी!
धन्यवाद आपको जी!
जाने का!
जान बची तो लाखों पाए।
बैंक ऑफ इं
लो, वह रहा बैंक।
कंप्यूटर, यहां पर तो तू ही संभालना!
तू ही सबसे 'इंटेलीजेंट' है, यार!
लेकिन बाकी लोग यहां पर क्यों नहीं उतरे?
उनको दूसरे बैंक जाना होगा।
हां, तेरे बगैर तो हम एकदम बेकार हैं।
ओ० के०, ओ० के०!
तुम लोग देखते जाओ कि मैं कितनी चतुराई से सारे जवाब देता हूं।
बैंक के अंदर–
भाई साहब, ये पैसे कहां मिलते हैं?
जमा करने हैं, या निकालने हैं?
न जमा करना है, न निकालना है,
लेना है!
लेना है? उस आखिरी काउंटर पर चले जाओ!
भाई जी! पैसे चाहिए!
हांए?
पैसे! पैसे!!
तो चिल्लाते क्यों हो? मैं बहरा थोड़े ही हूं।
क्या टोकन नंबर है?

टोकन?
TELLER
हां! टोकन लाओ!
आप 'टोकन' का पता बता दो!
मैं अभी कटर को भेज देता हूं उसे लाने के लिए!
यह क्या बोल रहा है? लगता है कि मैं गलत सुन रहा हूं!
कान की सुनने वाली मशीन ठीक काम नहीं कर रही है!
दूसरे तरीके से पूछना होगा!
TELLER
DOUBLE YOUR MONEY
अच्छा, अच्छा! रहने दो!
चेक है?
हां, जी, सब चेक है!
हमने सब चेक कर लिया है!
अरे, खाता नंबर क्या है?
इस बैंक में 'खाता' है भी या नहीं?
जी नहीं! हम लोग अपने घर में ही खा लेते हैं!
बैंक में नहीं खाते हैं!
TELLER
तुमको पैसे चाहिए न? देखो!
ये 'पैसे' हैं! इसे घर पर जाकर छाप लेना!
मसखरा लगता है! ठीक है, बेटा!
मैं भी कौन सा छोटा मसखरा हूं!
ये कागज के टुकड़े पैसे होते हैं? वाह!
ये तो घर में छप जाएगा!
हम इसको छाप सकते हैं न?
हां, हां! क्यों नहीं? कुछ लोग पहले ही छाप रहे हैं!
सरकार भी छापती है...
TELLER
... तुम भी छाप लो!
थैंक्यू! थैंक्यू जी! आपने हमको एकदम सही रास्ता दिखा दिया!
हें हें हें! कॉमेडियन कहीं का!
लेकिन मैं भी मजाक करने में इसका बाप निकला!
TELLER

चलो, दोस्तो! काम हो गया!
पैसे मिल गए?
वो तुमको कागज के टुकड़े क्यों दिखा रहा था?
ER
LOCK
शांति रखो! कंप्यूटर सब समझ गया है!
अब तुम लोग घर चलो! मैं तुमको सब समझा दूंगा!
टोड निवास में-
ओह! तो ये चक्कर है!
हां! अब घर का काम, घर पर ही हो जाएगा!
और हमको पैसों की कोई कमी नहीं रहेगी।
लेकिन तू एक गलती कर गया, कंप्यूटर!
वे कागज वाले पैसे तो बैंक वाले से लाया ही नहीं!
मेरे कंप्यूटर ने उन दोनों की फोटो तुरन्त खींच ली थी।
ये देखो!
अरे, लाने की क्या जरूरत थी?
वाह! सुंदर लगते हैं न!
हैं तो!
पर ये बहुत छोटे हैं! ऐसे तो बहुत सारे नोट छापने पड़ेंगे!
मैं इससे भी बड़ा छाप दूंगा, कटर! इन दोनों से बड़ा!
ये 'एक' का नोट है। और ये 'पांच' का नोट है! दोनों को मिला देता हूं!
एक और पांच कितने हुए?
सुपर्ब कहीं का! एक और पांच, पन्द्रह हुए!
हुए कि नहीं?

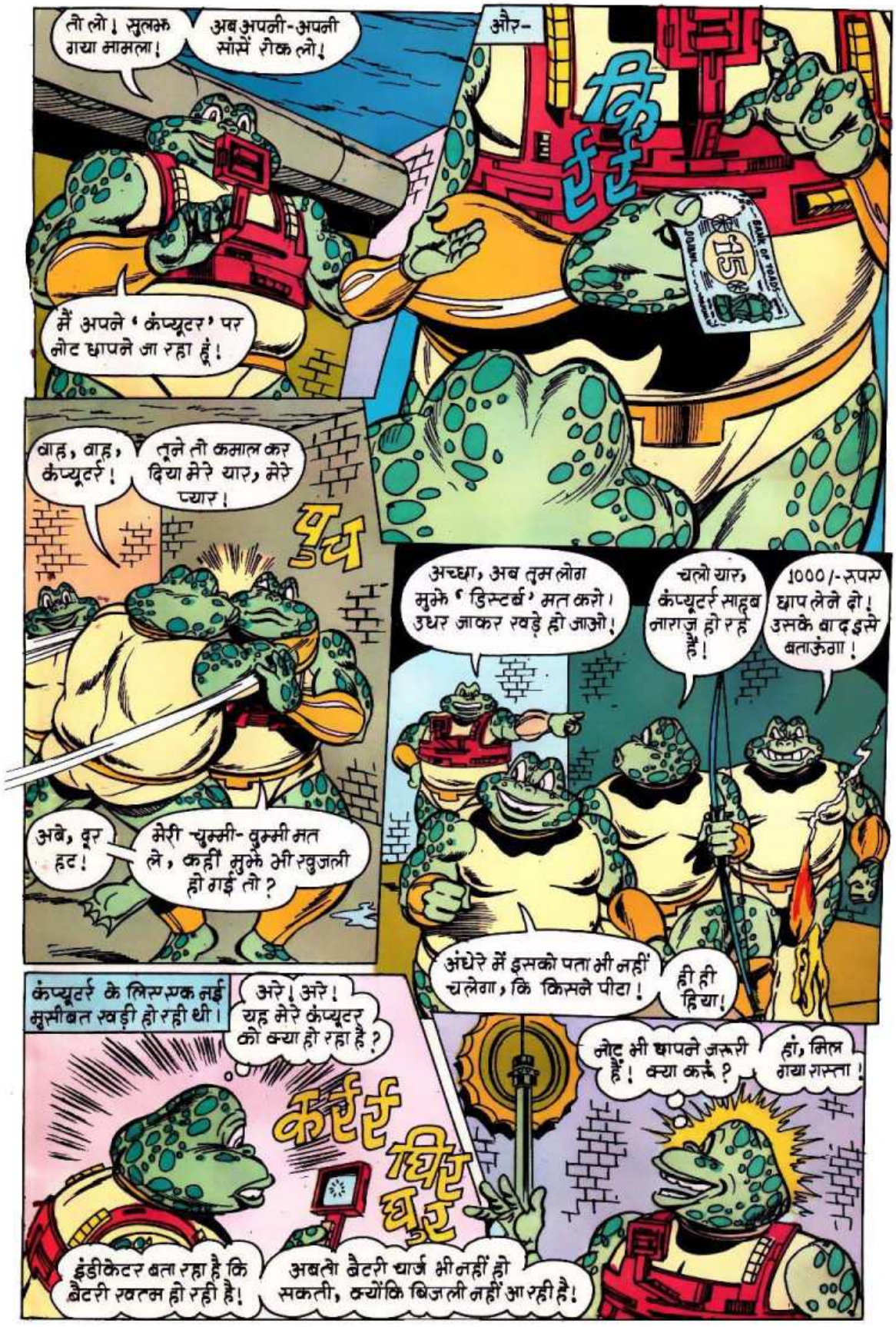

तो लो! सुलझ गया मामला!
अब अपनी-अपनी सांसें रोक लो!
मैं अपने 'कंप्यूटर' पर नोट छापने जा रहा हूं!
और-
वाह, वाह, कंप्यूटर!
तूने तो कमाल कर दिया मेरे यार, मेरे प्यार!
पुच
अबे, दूर हट!
मेरी चुम्मी-चुम्मी मत ले, कहीं मुझे भी खुजली हो गई तो?
अच्छा, अब तुम लोग मुझे 'डिस्टर्ब' मत करो। उधर जाकर खड़े हो जाओ!
चलो यार, कंप्यूटर साहब नाराज हो रहे हैं!
1000/- रुपए छाप लेने दो! उसके बाद इसे बताऊंगा!
अंधेरे में इसको पता भी नहीं चलेगा, कि किसने पीटा!
ही ही हिया!
कंप्यूटर के लिए एक नई मुसीबत खड़ी हो रही थी।
अरे! अरे! यह मेरे कंप्यूटर को क्या हो रहा है?
इंडीकेटर बता रहा है कि बैटरी खत्म हो रही है!
अब तो बैटरी चार्ज भी नहीं हो सकती, क्योंकि बिजली नहीं आ रही है!
नोट भी छापने जरूरी हैं! क्या करूं?
हां, मिल गया रास्ता!

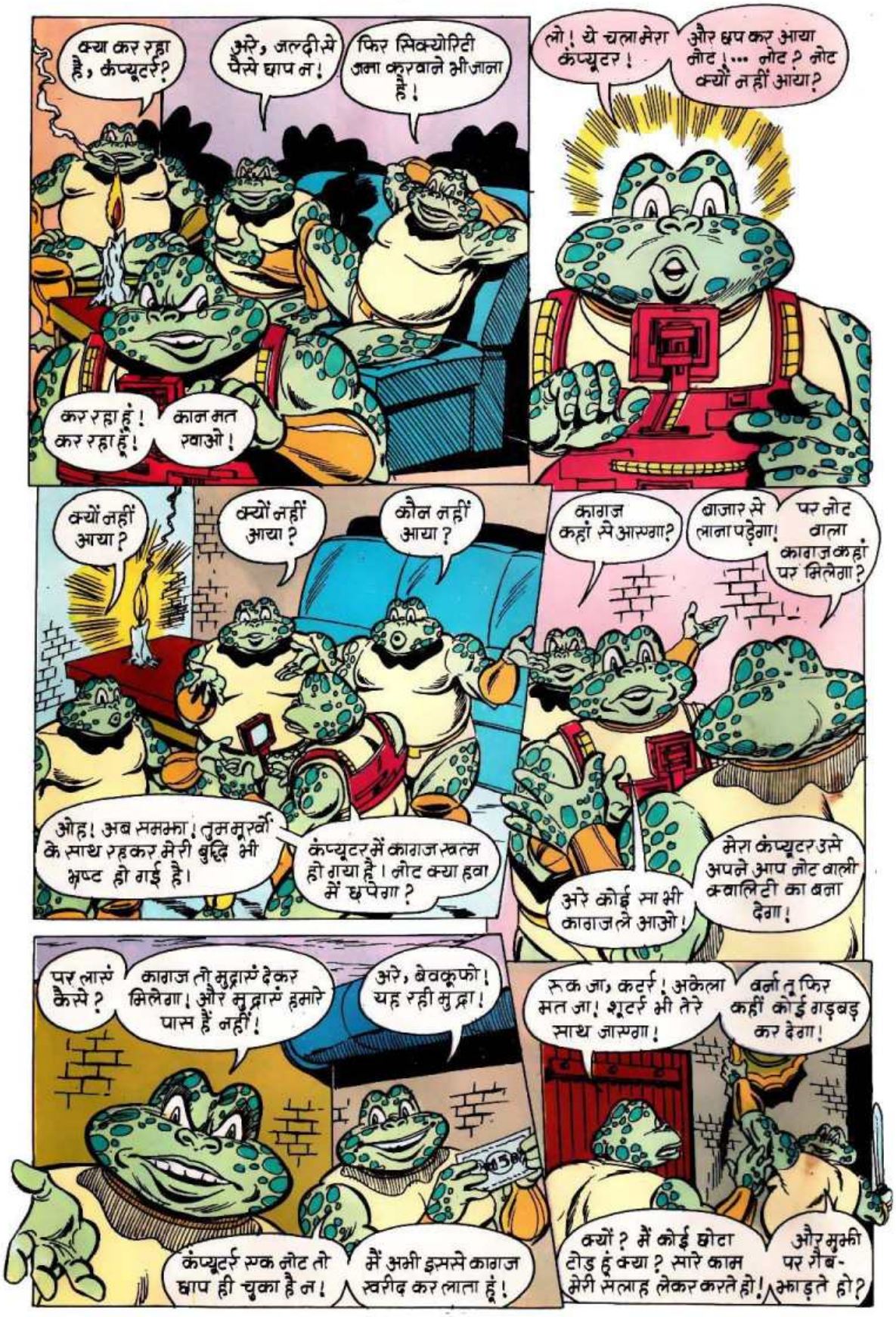
क्या कर रहा है, कंप्यूटर?
अरे, जल्दी से पैसे छाप न!
फिर सिक्योरिटी जमा करवाने भी जाना है!
कर रहा हूं! कर रहा हूं!
कान मत खाओ!
लो! ये चला मेरा कंप्यूटर!
और छप कर आया नोट!... नोट? नोट क्यों नहीं आया?
क्यों नहीं आया?
क्यों नहीं आया?
कौन नहीं आया?
ओह! अब समझा! तुम मूरखों के साथ रहकर मेरी बुद्धि भी भ्रष्ट हो गई है।
कंप्यूटर में कागज खत्म हो गया है। नोट क्या हवा में छपेगा?
कागज कहां से आएगा?
बाजार से लाना पड़ेगा!
पर नोट वाला कागज कहां पर मिलेगा?
अरे कोई सा भी कागज ले आओ!
मेरा कंप्यूटर उसे अपने आप नोट वाली क्वालिटी का बना देगा!
पर लाएं कैसे?
कागज तो मुद्राएं देकर मिलेगा! और मुद्राएं हमारे पास हैं नहीं!
अरे, बेवकूफो! यह रही मुद्रा!
कंप्यूटर एक नोट तो छाप ही चुका है न!
मैं अभी इससे कागज खरीद कर लाता हूं!
रुक जा, कटर! अकेला मत जा! शूटर भी तेरे साथ जाएगा!
वर्ना तू फिर कहीं कोई गड़बड़ कर देगा!
क्यों? मैं कोई छोटा टोड हूं क्या? सारे काम मेरी सलाह लेकर करते हो!
और मुझी पर रौब-झाड़ते हो?

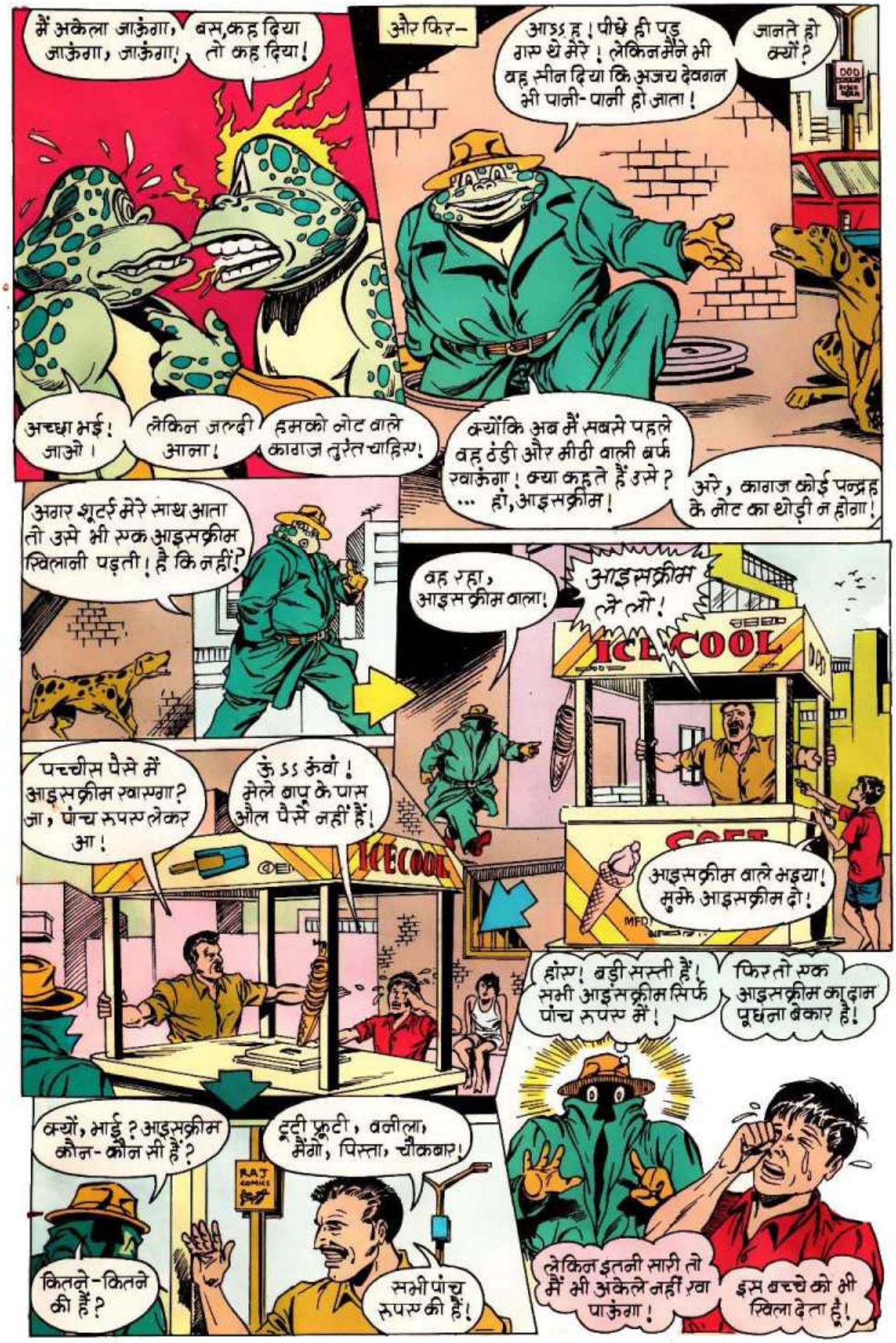
मैं अकेला जाऊंगा, जाऊंगा, जाऊंगा!
बस, कह दिया तो कह दिया!
और फिर–
आऽऽह! पीछे ही पड़ गए थे मेरे! लेकिन मैंने भी वह सीन दिया कि अजय देवगन भी पानी-पानी हो जाता!
जानते हो क्यों?
अच्छा भई! जाओ।
लेकिन जल्दी आना!
हमको नोट वाले कागज तुरंत चाहिए!
क्योंकि अब मैं सबसे पहले वह ठंडी और मीठी वाली बर्फ खाऊंगा! क्या कहते हैं उसे? ... हां, आइसक्रीम!
अरे, कागज कोई पन्द्रह के नोट का थोड़ी न होगा!
अगर शूटर मेरे साथ आता तो उसे भी एक आइसक्रीम खिलानी पड़ती! है कि नहीं?
वह रहा, आइसक्रीम वाला!
आइसक्रीम ले लो!
ICE COOL
पच्चीस पैसे में आइसक्रीम खाएगा? जा, पांच रुपए लेकर आ!
ऊंऽऽ ऊंवां! मेले बापू के पास औल पैसे नहीं हैं!
ICECOOL
आइसक्रीम वाले भइया! मुझे आइसक्रीम दो!
हांएं! बड़ी सस्ती हैं! सभी आइसक्रीम सिर्फ पांच रुपए में!
फिर तो एक आइसक्रीम का दाम पूछना बेकार है!
क्यों, भाई? आइसक्रीम कौन-कौन सी हैं?
टूटी फ्रूटी, वनीला, मैंगो, पिस्ता, चौकबार!
RAJ COMICS
कितने-कितने की हैं?
सभी पांच रुपए की हैं!
लेकिन इतनी सारी तो मैं भी अकेले नहीं खा पाऊंगा!
इस बच्चे को भी खिला देता हूं!

बोलो, मेरे मोटे मुन्ने ! क्या दूं तुमको ?
ठेला!
पूरा ठेला !
पूरा ठेला !
हाय! मैं जानता था कि आज मेरी किस्मत जरूर चमकेगी, और मैं आज के दिन राजा बन जाऊंगा!
घुस जा बेटा, ठेले के अन्दर! खा ले! सारी खा ले!
अरे रे! अच्छे बच्चे रोते नहीं हैं! चल बेटा आ!
तुम्हें आइसक्रीम मैं खिलाता हूं!
मेरा नाम चिंपू है! आप कौन हैं, टोप वाले अंकल?
टोपवाले अंकल! वाह! तू मुझे यही कह!
आ, अब तुझे आइसक्रीम खिलाता हूं!
मगर टोप वाले अंकल...
आइसक्रीम मेरे बाकी दोस्त भी खाएंगे!
वो रहे!
जा, उन्हें भी बुला दे। मैं सबको आइसक्रीम खरीद कर दूंगा!
हेsss! अरे मोनू, मिकी, जुगनू, रंजू, चिंटू, गुड़िया, पिंकी, सब आ जाओ!
टोप वाले अंकल सबको आइसक्रीम लेकर देंगे!
इन सबको आइसक्रीम दो!
मुझे मैंगो ऑरेंज!
मुझे मिल्क बार!
काजू किशमिश!
मैं तो दो लूंगा!
आप इन बच्चों के कौन हैं, भइया जी?
टोप वाला अंकल!

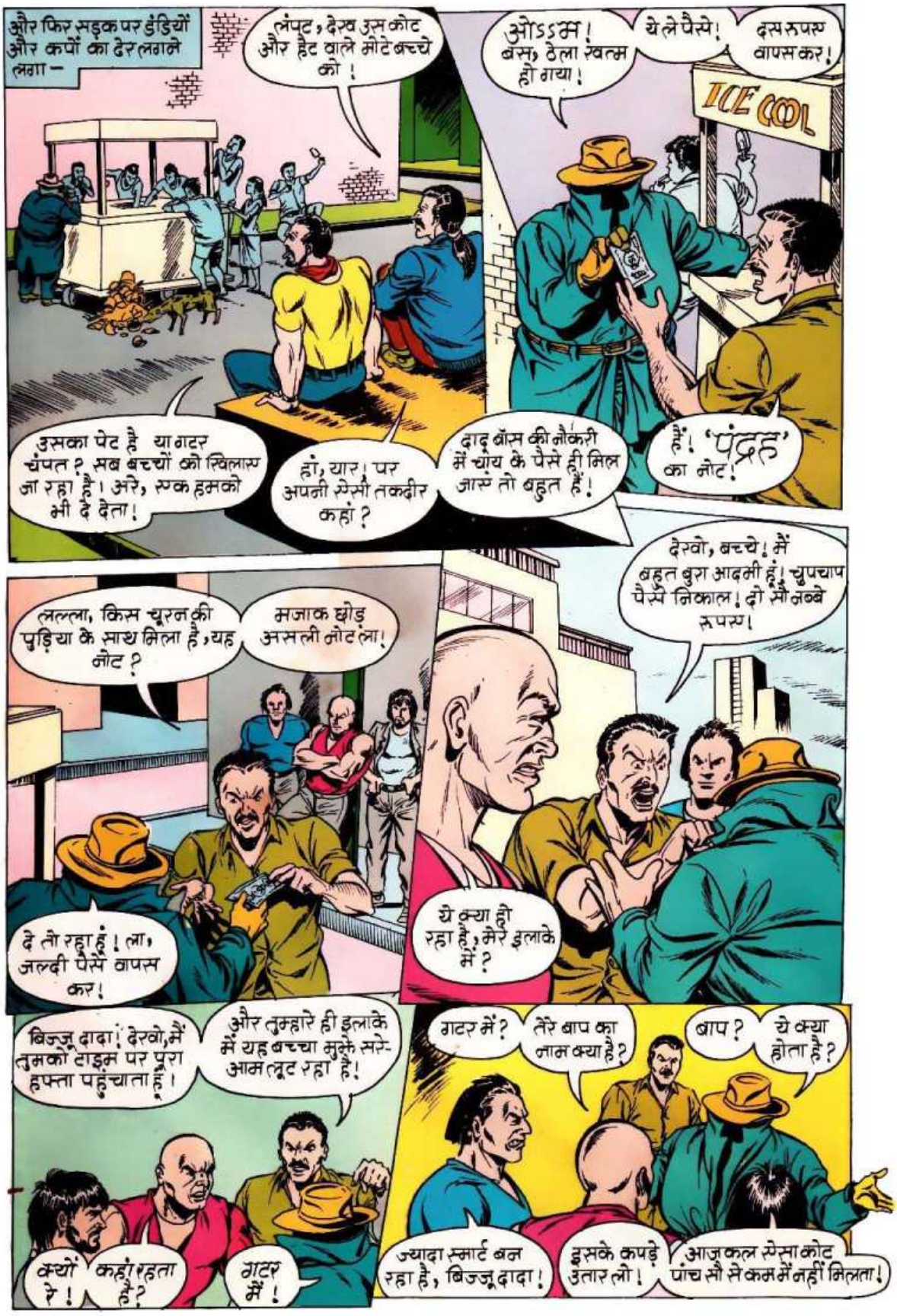
और फिर सड़क पर डुंडियों और कपों का ढेर लगाने लगा –
लंपट, देख उस कोट और हैट वाले मोटे बच्चे को !
उसका पेट है या गटर चंपत ? सब बच्चों को खिलाए जा रहा है। अरे, एक हमको भी दे देता !
हां, यार ! पर अपनी ऐसी तकदीर कहां ?
दादू बॉस की नौकरी में चाय के पैसे ही मिल जाएं तो बहुत हैं !
ओऽऽम ! बस, ठेला खत्म हो गया !
ये ले पैसे !
दस रुपए वापस कर !
ICE COOL
हैं ! 'पंद्रह' का नोट !
देखो, बच्चे ! मैं बहुत बुरा आदमी हूं ! चुपचाप पैसे निकाल ! दो सौ नब्बे रुपए !
ये क्या हो रहा है, मेरे इलाके में ?
ललल्ला, किस चूरन की पुड़िया के साथ मिला है, यह नोट ?
मजाक छोड़ असली नोट ला !
दे तो रहा हूं ! ला, जल्दी पैसे वापस कर !
बिज्जू दादा ! देखो, मैं तुमको टाइम पर पूरा हफ्ता पहुंचाता हूं !
और तुम्हारे ही इलाके में यह बच्चा मुझे सरे-आम लूट रहा है !
क्यों रे ! कहां रहता है ?
गटर में !
गटर में ?
तेरे बाप का नाम क्या है ?
बाप ?
ये क्या होता है ?
ज्यादा स्मार्ट बन रहा है, बिज्जू दादा !
इसके कपड़े उतार लो !
आजकल ऐसा कोट पांच सौ से कम में नहीं मिलता !

ऐ! मेरे कपड़ों को हाथ मत लगाना!
इन लोगों ने मेरी शक्ल देख ली तो गड़बड़ हो जाएगी!
अच्छा! दूसरों का माल खाएगा लूट कर!
और बनकर रहेगा साहब!
सूट-बूट में आया कन्हैयाऽऽऽ?
अरे, मना करने पर भी नहीं मानता?
हाथ लगाते ही, कटरे का पारा, सूं से चढ़ गया!
और फिर- सड़क एक छोटा-मोटा सा अखाड़ा बन गई!
भाड़.
धाड़!
बचाओ!
बड़ा कसरा हाथ है, रे!
नाश्ते में दलिया खाता है क्या?
धमम
और दवाई का असर खत्म हो रहा था -
आई!
अबे, खुजला तो लेने दे!
घबरा मत! तेरे को हम खुजला ही रहे हैं!
पर तभी-
अरे, ये मुझे फिर से खुजली कैसे मचने लगी?
खस खस
खस खस
खु ज खुज
जवाब सीधा सा था -
दवाई लगाए छः घंटे हो चुके थे...

ओह!
अब इनको पीटूं या अपना बदन खुजलाऊं?
एक हाथ से खुजलाऊं, और दूसरे हाथ से इनके कपड़े काटूं!
बैटरी ऑन!
और कटर का अटैक शुरू!
खट्
अबे, यह ट्यूब-लाइट कहां से ले आया?
ऐसे तो ये पीट-पीट कर मेरा भुरकस निकाल देंगे।
अब तलवार निकालने के अलावा और कोई चारा नहीं है।
अरे, अरे! बदगुदी मत कर, यार! ठीक से लड़!
ही ही ही ही!
सां य
अरे! मेरी तलवार काम क्यों नहीं कर रही है?
पास में ही-
नोट उड़कर लंपट, चंपत के पास आ पहुंचा था।
अरे, लंपट, ये देखो नोट! यही वह मोटा लौंडा आइसक्रीम वाले को दे रहा था।
पन्द्रह का नोट!
नकली है!
पर जरा काग़ज़ की क्वालिटी देख! कलर देख! छपाई देख!
यह तो दादू को दिखाना चाहिए!
पर पहले इस छोकरे से पता तो करें कि यह नोट उसे मिला कहां से है?
लेकिन वह तो पिट रहा है!
चल उसे बचाते हैं!
रुको, भाई! यह तीन लोग मिलकर एक बच्चे को क्यों मार रहे हैं?
मरगए!!
दादू के आदमी!
लंपट और चंपत!

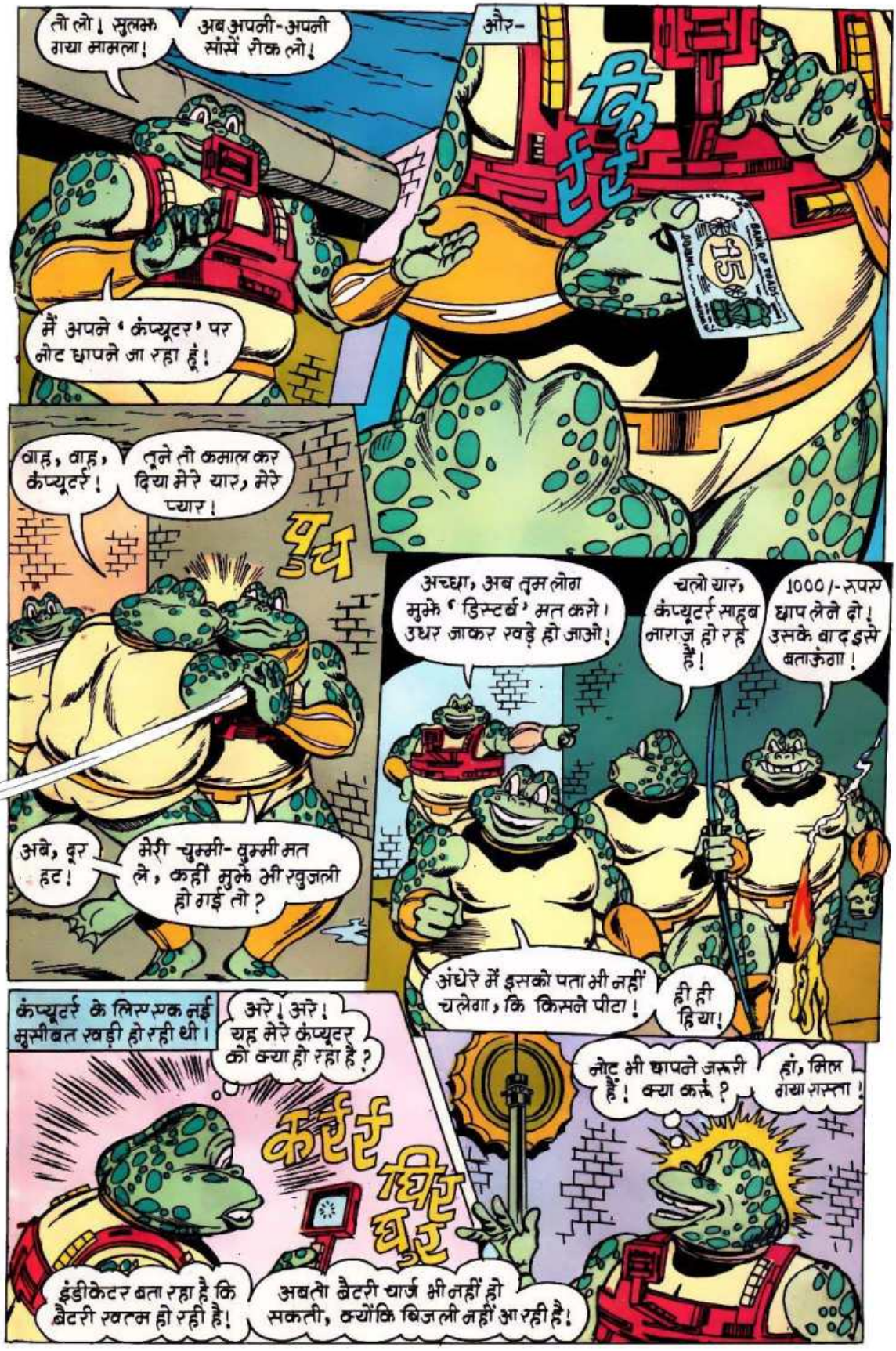

तो लो! सुलझ गया मामला!
अब अपनी-अपनी सांसें रोक लो!
मैं अपने 'कंप्यूटर' पर नोट छापने जा रहा हूं!
और-
वाह, वाह, कंप्यूटर!
तूने तो कमाल कर दिया मेरे यार, मेरे प्यार!
पुच
अबे, दूर हट!
मेरी चुम्मी-चुम्मी मत ले, कहीं मुझे भी खुजली हो गई तो?
अच्छा, अब तुम लोग मुझे 'डिस्टर्ब' मत करो। उधर जाकर खड़े हो जाओ!
चलो यार, कंप्यूटर साहब नाराज़ हो रहे हैं!
1000/- रुपए छाप लेने दो! उसके बाद इसे बताऊंगा!
अंधेरे में इसको पता भी नहीं चलेगा, कि किसने पीटा!
ही ही हिया!
कंप्यूटर के लिए एक नई मुसीबत खड़ी हो रही थी।
अरे! अरे! यह मेरे कंप्यूटर को क्या हो रहा है?
करर्रर्र
घिरर घर्र
इंडीकेटर बता रहा है कि बैटरी खत्म हो रही है!
अब तो बैटरी चार्ज भी नहीं हो सकती, क्योंकि बिजली नहीं आ रही है!
नोट भी छापने जरूरी हैं! क्या करूं?
हां, मिल गया रास्ता!

लंपट, मतलब की बात कर! मुझे तो यह लड़का थोड़ा पागल लग रहा है।
कटर प्यारे, वह पन्द्रह का नोट तुझे किसने दिया?
कहां से मिला तुझे?
वह नोट? वह तो कंप्यूटर ने छापा है!
कंप्यूटर प्रिंटिंग! अच्छा तभी नोट की छपाई इतनी फन्ने खां थी!
अच्छा, तो तेरे पास कंप्यूटर भी है! तू तो इंटेलीजेंट बच्चा लगता है रे!
कहां है तेरा वह कंप्यूटर?
वह तो अभी गटर में है!
गटर में! तूने वह सुपर कंप्यूटर गटर में फेंक दिया?
किस गटर में फेंका? चल बता!
हम उसे निकाल लाएंगे!
अरे, वह खुद निकल आएगा! उसके भी दो हाथ, दो पैर हैं!
लंपट, लंपट! यह लड़का शर्तिया पागल है!
चुप बे!
खुज
खुज
खुज
हें हें हें! हाथ-पैर वाला कंप्यूटर हमें भी दिखा न दोस्त! प्लीज!
अच्छा ठीक है! लेकिन उसकी शक्ल नहीं दिखाऊंगा! मिलवा दूंगा!
ठीक है?
ठीक है, प्यारे! आजा मेरी कार में!
ओह! तो ये वाहन 'कार' होता है! अच्छा नाम है।
चंपत, तू जाकर दादू को खबर कर!
मैं बाद में दादू से अपने कार वाले फोन पर कांटेक्ट करूंगा!
अभी मैं इसको कार में ले जाकर इसके अड्डे का पता लगाता हूं!
दादूपति-

दादू! अगर आपकी इजाजत हो तो, धन्धे की कार्यवाही शुरू की जाए!
इजाजत है!
अबे, जोर से दबा! सुबह तुझे कुतरे हुए बादाम मिला बकरी का दूध पिलाया था!
क्यों झूठ बोलते हो दादू? दूध में मूंगफली थी! बहुहुहु!
कार्यवाही शुरू हुई–
दादू, ये देखो कोलगेट!
असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाए!
ईईईई!
टूथपेस्ट में कीड़ा!
फिच्च
क्षमा, दादू क्षमा!
मैंने गलती से एक्सपायर्ड ट्यूब, आपके मुंह पर दबा दी है!
दादू ये है, चकमे कोल्ड क्रीम!
मैंने इसमें नकली इंपोर्टेड सेंट छिड़का है!
ये असली से भी ज्यादा बिक रही है!
पर मैं इसे मुंह पर लगाने का रिस्क नहीं लूंगा!
ठीक है, अगला!
दादू! ये भी वही क्रीम है! बस इसमें काला रंग मिला कर 'चौरी शू पालिश' बना दिया है। ही ही ही!
वाह, तुम जरूर मेरा नाम और देश का नाम इसी से चमकाओगे!
सभा समाप्त!
और वह सभा समाप्त होते ही–
दादू! दादू!
चंपत, आ बेटा, जल्दी आ!
तेरा फोन आने के बाद से मैं तेरा ही इंतजार कर रहा था!

ला दिखा! कहाँ है, वह नोट?
ये देखो, दादू!
वाह! क्या नोट है! क्या कड़कपन है! क्या कागज है! क्या छपाई है! क्या रंग है! नोट की ये क्वालिटी मार्किट में हंगामा मचा देगी!
दादू, ये नोट हाथ-पांव वाले कंप्यूटर पर छपा है!
चंपत, कटर्र के विषय में भी दादू को बताता चला गया—
...और दादू! लंपट कटर्र के गटर वाले अड्डे का पता लगाने गया है!
पर उसका कोई मैसेज अभी तक आया क्यों नहीं...
आ गया!
हल्लू! मैं लंपट बोल रिया हूं, दादू! मैंने कटर्र के अड्डे का पता लगा लिया है!
जियो मेरे लाल! मैं कर दूंगा तुझे जाली नोटों से मालामाल!
मगर वह यहां अकेला नहीं रहता है!
इस समय वो अपने बाकी साथियों को बुलाने के लिए गया है। अब मेरे लिए क्या आदेश है, दादू?
लंपट, हैल्लो, हैल्लो! अपने कान जॉनसन बड्स से साफ करके मेरी आवाज ध्यान से सुन!
जॉनसन बड्स मेरे पास नहीं है, दादू! लेकिन मैंने कागज की बत्ती बनाकर उससे कान साफ कर लिया है...
...अब बोलो!
लंपट, उन्हें हमारे यहां दावत का न्यौता दे! खाने पर बुला उन्हें।
लेकिन दादू, मैंने सुबह से चाय भी नहीं पी!
क्या? पर मेरा और मेरे सारे आदमियों का सुबह का चाय नाश्ता तो मेरे ही बावर्ची खाने में बनता है!
तू नाश्ते के समय कहां मर गया था?

दादू, उस नाश्ते को तो आज कुत्ता, मुंह मार गया था!
इसीलिए मैं चंपत के साथ भूखा ही चला आया था, बिजनिस पर!
क्या?
ओह, तभी आज टॉयलेट जाते ही बार-बार मेरी एक टांग अपने आप ही ऊपर उठ जाती थी!
और तभी आज बावर्ची पेट दर्द की शिकायत करके नाश्ता खाने से बच गया।
खैर, उस हरामखोर से तो मैं बाद में निपटूंगा!
अच्छा, अच्छा, लंपट! तू बिना दूध, पत्ती, चीनी की चाय बनवा कर बाजार से पी लियो!
लेकिन उससे पहले तू जल्दी कर! उन्हें न्योता दे!
दादू! दादू! वे आ रहे हैं! मैं तुमसे बाद में बात करूंगा!
नहीं ऽऽऽ! तू अपना फोन चालू रख, लंपट! मैं फोन पर ही तुम्हारी बातें सुन लूंगा!
दादू, अगर वो कंप्यूटर हमारे हाथ लग जाए तो हमारी पौ बारह हो जाए!
ओह! तो ये हैं तुम्हारे साथी! इनसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई!
दादू, सुन रहे हो न?
न्यौता, न्यौता, लंपट! न्यौता दे!
ये शूटर है!
ये मास्टर...
और ये है, कंप्यूटर! जिसने वो नोट छापा!
ओह! तो ये है वो कंप्यूटर जिसने वो नोट छापा!
दादू सुन रहे हो न? कंप्यूटर एक आदमी का नाम है।
हां, मेरे घी के चिराग, हां!
पर तू उन्हें न्यौता क्यों नहीं देता?
उन्हें साथ लेकर आ!
उन्हें कह कि दादूपति ने उन्हें बुलाया है!

दादू, आप उन्हें उठवा क्यों नहीं लेते?
बेवकूफ के बच्चे, अगर सीधी उंगली से घी निकल आए तो उंगली टेढ़ी करना जरूरी है क्या?
दादू ठीक कह रहे हैं!
ओह, मिस्टर मास्टर! आप इन सबके लीडर हैं! हमारे दादू को कंप्यूटर जी का छपा नोट बहुत पसंद आया है! वो आपसे व्यापार की बात करना चाहते हैं!
शाबास, शाबास चंपत!
बंदों को पटा! पटा कर ही रह!
व्यापार की बातें?
वह क्या होता है?
व्यापार मतलब, तुम नोट छापना! और हम उन्हें बाजार में चलाकर लाखों, करोड़ों रुपए कमाकर तुमको देंगे।
लाखों, करोड़ों कितने होते हैं, कंप्यूटर?
1000 X 10= 10,000
10,000 X 10= 1,00,000
1,00,000 X 10= 10,00,000
10,00,000 X 10= 1,00,00,000
इतने होते हैं, शूटर।
आश्चर्य से आंखें फट गई थीं सभी की—
इतने?
इतने हजार से तो हम अपने घर में बहुत सारे बिजली के मीटर लगवा लेंगे न, कंप्यूटर?
नहीं, नहीं! हम जहां हैं, वहीं भले! हमें सिर्फ एक हजार रुपयों की जरूरत है, जो कंप्यूटर अपने कंप्यूटर पर छाप लेगा।
हमको तुम्हारे साथ व्यापार नहीं करना!
इतने सारे हजार?
हां! तुम एक बार चलो तो सही दादू के पास!
लेकिन मास्टर! तुम्हें ये तो पता ही नहीं कि कितने का नोट छापना है!

मास्टर, मुझे इस भले आदमी की बातों में सच्चाई नजर आ रही है!
हम सबमें तू ही सबसे होशियार है, कंप्यूटर! अगर तू कहता है, तो इस दादू से भी मिलकर देख ही लेते हैं!
उसी शाम-
वॉह, मास्टर! कितना आलीशान घर है न?
दादू, वे आ गए!
वो आए हमारे घर में! कभी हम उनको, कभी अपने घर को देखते हैं!
मास्टर! हम टोइस, गटर में रहते हैं और ये आलीशान घर में! इसीलिए ऐसा कह रहा है!
वाह! नोटों का हार!
मास्टर, ये हमारी बेइज्जती है!
हूंऽ!
ये मास्टर है, दादू! इन सबका लीडर!

कंप्यूटर, मेरी मान तो निकल ले यहां से! मुझे ये लोग ठीक नहीं दिखते?
रुक जा, मास्टर! दादू हमसे जो व्यापार की बातें करना चाहता है, वो तो सुन लें!
बोलो, दादू! व्यापार की क्या बात करनी है हमसे?
मुझे यह जानकर बड़ा दुःख हुआ, मास्टर जी, कि आप जैसे महान व्यक्ति गटर में रहते हैं।
अब तुमको गटर में नहीं रहना पड़ेगा। रुपया, पैसा, शानदार घर, कार, सब कुछ मैं तुमको दूंगा!
लेकिन आज तक जो हुआ उसे भूल जाओ!
शानदार घर, और कार वाहन भी! वाह!
बदले में हमको क्या करना होगा दादू?
बदले में तुम अपने कंप्यूटर पर वह नोट छापना, जो मैं तुम्हें बताऊंगा!
एक मिनट मास्टर जी!
आपके बाकी होनहार मित्रों को तो मैं हार पहनाना भूल ही गया!
जाली नोटों के व्यापार में सबसे बड़ा फायदा यही है कि जितने मर्जी हार पहनाए जाओ, अपने बाप का कुछ नहीं जाता। ही ही ही!
अरे, अरे!
मेरा टोप देखकर हार पहना...
वर्ना मेरा टोप...
नीचे गिर जाएगा!
गिर गया!
ईईईईईईईऽऽऽ
ल... ल... लंपट! अबे, किन्हें पकड़ लाया! ये तो... ये तो...
अबे, चु... चुपचाप खड़ा रह!
म... मुझे तो आपने ही कहा कि... कि...! दादू... मैं चाय पीने जाऊं? जाऊं?
इन्हें देखकर तो मेरे पेट में बगैर चाय के ही बम फूटने लगे हैं।

बहहहह! ट्रम्पेट से आवाज क्यों नहीं आ रही?
भाग, धन्नो!
मेरे बांगो के सिर पर बाल कहां से आ गए?
बहहहह! क्या तुम तीनों भी ऐसे ही हो?
हो!
हम हैं...
फाइटर टोड्स
और ये है हमारा असली रूप!
भूत पिशाच निकट नहीं आवें, महावीर जब नाम सुनावें।
दा... दादू! इनको वापस छोड़ आऊं?
नहीं!
करोड़ों के फायदे के लिए, इनकी शक्ल देखकर अगर एक बार मुझे 'पटर-पटर' लग भी जाए तो कोई गम नहीं!
और तू अपनी नाक से साज क्यों बजा रहा है?
मुंह से बजा!

मास्टर्र, इस संगीत लहरी पर मेरा मन तो नाचने को कर रहा है।
मास्टर्र, तुम बेकार ही चिंतित हो रहे हो !. ये भले लोग हैं। देखो, हमारा कितना ध्यान रख रहे हैं! हमें शर्बत पीने को दे रहे हैं।
पियो। झूमकर पियो। ये 'शर्बते-आज़म' विशेष रूप से तुम्हारे लिए मंगाया गया है।
वाह! ये तो बहुत बढ़िया है!
मास्टर्र, तुम भी पियो न!
दादू, ये आप क्या कर रहे हैं? सौ-सौ के असली नोटों की पूरी दो गड्डियां आप लुटा चुके हैं...
... और ये तीसरी है!
पर मेरे बाप का क्या जा रहा है?
मरने से पहले उसने मेरे लिए एक कानी कौड़ी भी नहीं छोड़ी, बल्कि उसके क्रियाकर्म के लिए मुझे ही अपनी ट्राइसिकल बेचनी पड़ी, जो बचपन में मैंने अपने पड़ोसी से छीनी थी!
इसी गम में मैंने बचपन में ही शराब छोड़ दी थी!
तू बस तमाशा देख सेकेट्री, कि कैसे मैं फाइटर टोड्स को अपनी भड़कीली और सेक्याश दुनिया से प्रभावित करके अपने साथ मिलाता हूं!
अब तो मुझे भी इनसे डर नहीं लग रहा, दादू!
अ हा हा हा! ई हा हा!

मास्टर, यह देखो, कितना शानदार सोफा है!
संभल कर शूटर!
वर्ना तेरा सिर छत से जा टकरायगा!
लो, मास्टर! ये केक खाओ! स्पेशल तुम्हारे लिए 'स्विट्जरलैंड' से मंगवाया है!
ही ही ही! दादू 'चांदनी-चौक' को, स्विटज़रलैंड बना रहा है! केक तो चांदनी चौक से मैं ही लेकर आया था!
'केक' नामक व्यंजन सचमुच स्वादिष्ट है, दादू!
पर हमें तुम्हारे साथ व्यापार नहीं करना!
अरे, गोली मारो व्यापार को!
लो शूटर, कटर, कैप्यूटर! तुम लोग भी खाओ, भई!
वाह!
मेरे हाथ गंदे हो गए!
चाटकर साफ कर लूं, मास्टर?
चुप! तुम्हें एक भी अच्छी आदत नहीं है, कटर! जा हाथ धोकर आ!
TOILET
इसमें जाकर हाथ धो लो, जी!
इसमें क्या है?
जाकर देख लो!
TOILET
अगले ही पल बाथ-रूम से कटर की चीख उभरी –
ईयायाऊऊऊ!
TOILET
ये तो कटर की चीख की आवाज है!
मैं तो पहले से ही कह रहा हूं कि ये जगह ठीक नहीं है!

क्या हुआ, कटरें ?
आऊ! मेरा हाथ जल गया!
शूटर्र, कंप्यूटर्र! चलो! अब हम यहां नहीं रूकेंगे!
बहुहुहु! मुझे क्या पता था कि इनको हाथ भी धोने नहीं आते!
अरे, सुनो तो!
मास्टर्र सुनो तो! दादू से व्यापार...
अरे, रूक जाओ, मेरी आँख के तारों!
रू ऽऽऽऽऽऽऽऽऽ
दादू
संभल कर!
सर्र्र्र्र्र्र
संभल कर!
चड़ाम
कड़क
भाड़
फाइटर टोड्स चले गए, दादू!
बचकर जाएंगे कहां?
अगर घी, सीधी उंगली से न निकले...
...तो मैं उसे टेढ़ा करना भी जानता हूं!

फाइटर टोड्स-
मास्टर, इतने बरसेड़ों के बाद भी एक हजार रुपयों का इंतजाम नहीं हुआ!
ये चलती कैसे ? मैंने और नोट छापने के लिए इसकी बैटरी निकाल ली थी!
ये लो अपनी तलवार की बैटरी! इसे वापस लगा लो!
क्या!?
मैं तो अब भी कह रहा हूं कि दादू से व्यापार की बात कर लो!
तुम व्यापार की बात बाद में करना, कंप्यूटर!
पहले जरा मेरी तलवार को तो देखो! ये आखिर चली क्यों नहीं ?
ओह, तो तूने बैटरी निकाल ली थी मेरी तलवार की!
और बिना तलवार के उन बदमाशों ने वहां पर मेरी गत बना दी!
और नोट मुझे सिर्फ अपने लिए तो चाहिए नहीं थे! तुम सबका भी भला होता!
लेकिन तूने मुझे बिना बताए बैटरी क्यों निकाली ?
तूने तलवार की बैटरी क्यों निकाली ? बता मुझे!
अरे रे रे! नोट छापने के लिए बैटरी चाहिए थी!
तुझे कटर को बताना चाहिए था, कंप्यूटर!
हां, कम से कम कटर को पता तो रहता!
पता रहता, पता रहता! तो क्या कर लेता ? चिल्लास जा रहे हो! एक तो भलाई करो और ऊपर से जूते खाओ!
मेरी पिटाई करवाना भलाई का काम कब से हो गया ? गलती करके अकड़ रहा है।
बस, बहुत हो गया! तुम लोगों के साथ रहना असंभव है...
... मैं दादू के पास जा रहा हूं! अब वहीं पर रहूंगा!
दादू दोस्त के पास!

दादू??
कंप्यूटर, गुस्सा थूक दे! दादू ठीक आदमी नहीं है!
ठीक हो या गलत! तुम लोगों की तरह चिल्ला कर बात तो नहीं करता है न?
अब मैं दादू के साथ ही रहूंगा! ये मेरा आखिरी फैसला है।
कटर, चल! कंप्यूटर से माफी मांग!
कभी नहीं! माफी तो कंप्यूटर को मांगनी चाहिए!
मैं क्यों मांगू?
अब माफी मांगो या नाक रगड़ो! मैं नहीं रुकने वाला!
देखता हूं कि तुम लोग मेरे बगैर कैसे रहते हो?
रुक जा!
कंप्यूटर ठहर जा!
वहां मत जा!
कंप्यूटर नहीं रुका-
मास्टर! कंप्यूटर दादू के पास चला गया।
ये तो बहुत बुरा हुआ!
उस पर दादू की रंगीनी का रंग चढ़ गया है! वह अब वापस नहीं आने का!
लेकिन हम अपने साथी को मुसीबत में फंसता छोड़ कैसे दें? हमें उसको वापस लाना होगा!
और उधर-
दादू, देखो कौन आया है?
कंप्यूटर! प्यारे कंप्यूटर!
दादू, मुझे तुमसे व्यापार की बात करनी है।
मगर दादू! बाकी टोड्स क्यों नहीं आए?
गोली मारो उन्हें! हमको सिर्फ कंप्यूटर की जरूरत है!
तेरे बगैर दुनिया सूनी लग रही थी, यार कंप्यूटर!
तू आ गया तो जान आ गई!

दादू, तुम मुझे बताओ कि मैं अपने कंप्यूटर पर कितने की मुद्रा छापूं?
बताएंगे, सब बताएंगे! पर पहले तुम थोड़ा आराम तो कर लो! चंपत, कंप्यूटर को इसके कमरे में ले जा!
आओ, कंप्यूटर जी!
दादू, आपकी तो मौज आ गई!
तुम भी तो पिटने से बच गए! वर्ना अगर मैं कंप्यूटर का अपहरण करवाता...
... तो बाकी टोड्स क्या तुम्हें बगैर पीटे छोड़ देते?
दादू, इज राइट!
एक गद्देदार बिस्तर पर लुढ़क गया था कंप्यूटर।
वाह! क्या गुदगुदा बिस्तर है!
हवा वाला यंत्र भी चल रहा है!
टोड निवास में तो खुरदुरे बिस्तर, बदबू और गर्मी के अलावा, और कुछ भी नहीं था!
लेकिन बाकी टोड्स उदास थे।
मास्टर, कंप्यूटर के बिना अच्छा नहीं लग रहा है।
हां, यार! मुझे कंप्यूटर पर गुस्सा नहीं करना चाहिए था!
जो हो गया, उसे भूल जाओ!
हम सुबह कंप्यूटर को समझा बुझा कर वापस 'टोड निवास' ले आएंगे!
सुबह - कंप्यूटर की शानदार खातिर हो रही थी।
लीजिए, कंप्यूटर जी! नाश्ते में आपके लिए हैं, शाही कीट और पतंगा टोस्ट!
वाह!
क्या खुशबू आ रही है!

कंप्यूटर्र, तुम्हारा ये नाश्ता जुटाने में के लिए लंपट, चंपत और मेरा सेक्रेट्री, सारी रात शहर में घूम-घूम कर कीट-पतंगे पकड़ते रहे हैं।
ही ही ही!
थोड़ी देर बाद–
कंप्यूटर्र! यह लो! यह है सौ रुपए का नोट।
तुम्हें ऐसे बहुत से नोट छापने हैं।
तुम जितने नोट छापोगे, उसके आधे तुम्हारे और आधे हमारे होंगे। यानि फिफ्टी-फिफ्टी!
अब जरा एक कड़कड़ाता नोट छाप कर तो दिखाओ!
अभी लो, दादू!
रात को मैंने कंप्यूटर की बैटरी चार्ज कर ली है, और नया कागज़ भी डाल लिया है।
पलक झपकते ही नोट दादू के हाथ में था–
वाह, वाह! वाह, वाह कंप्यूटर्र! शानदार, लाजवाब, अति सुन्दर नोट है!
OTD 000001
BANK OF TOADS
GUARANTEED BY MASTARR
बैंक ऑफ टोड्स
MASTARR
एक सौ रुपये
PRINTED BY COMPUTARR COMPUTARISED PRINTING
एक नजर में ही असली लगता है!
ध्यान से देखने की जरूरत ही नहीं है!
और फिर–
लंपट, चंपत! ये ले! नकली सौ-सौ के नोटों की गड्डियां।
पूरे बाज़ार को नकली नोटों से पाट दो और हमारी तिजोरी में लाकर भर दो असली 'करकरे' नोट।
पर दादू! चाय के लिए तो दो का असली नोट दे दो!
आज दादू अति प्रसन्न है। ये लो! दो-दो रुपए चाय के और पचास-पचास पैसे समोसों के लिए!
तुम भी क्या याद करोगे कि किसी रईस से पाला पड़ा था!
ही ही ही ही!

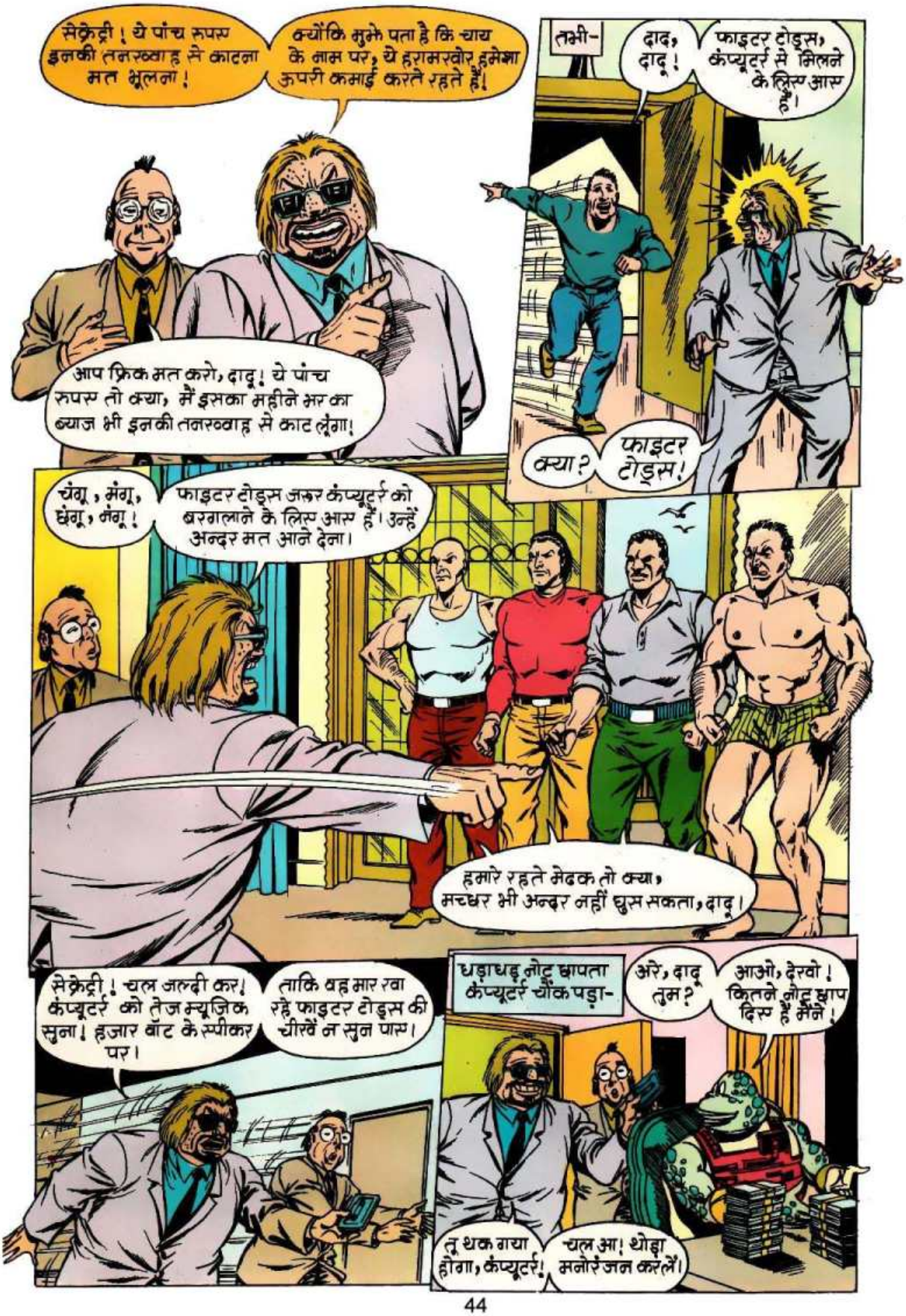
सेक्रेट्री ! ये पांच रुपए इनकी तनख्वाह से काटना मत भूलना !
क्योंकि मुझे पता है कि चाय के नाम पर, ये हरामखोर हमेशा ऊपरी कमाई करते रहते हैं!
आप फ्रिक मत करो, दादू! ये पांच रुपए तो क्या, मैं इसका महीने भर का ब्याज भी इनकी तनख्वाह से काट लूंगा!
तभी-
दादू, दादू !
फाइटर टोड्स, कंप्यूटर से मिलने के लिए आए हैं।
क्या?
फाइटर टोड्स!
चंगू, मंगू, घंगू, नंगू !
फाइटर टोड्स जरूर कंप्यूटर को बरगलाने के लिए आए हैं। उन्हें अन्दर मत आने देना।
हमारे रहते मेढक तो क्या, मच्छर भी अन्दर नहीं घुस सकता, दादू।
सेक्रेट्री ! चल जल्दी कर! कंप्यूटर को तेज म्यूज़िक सुना! हजार वॉट के स्पीकर पर।
ताकि वह मार खा रहे फाइटर टोड्स की चीखें न सुन पाए।
धड़ाधड़ नोट छापता कंप्यूटर चौंक पड़ा-
अरे, दादू तुम?
आओ, देखो ! कितने नोट छाप दिए हैं मैंने !
तू थक गया होगा, कंप्यूटर!
चल आ! थोड़ा मनोरंजन करलें।

स्टीरियो, फुल वाल्यूम पर चालू हो गया-
पुक पुक पुक पुक
चोली के पीछे ... क्या है...
अरे, दादू आहिस्ता!
मेरी कमर में मोच आ जाएगी।
उसी समय बाहर-
कंप्यूटर अभी तक आया क्यों नहीं ? जल्दी बुलवाओ न!
फंट्रियर को अंदर खबर पहुंचाने भेजा तो हुआ है!
चुपचाप खड़ा रह!
बुग्गू! इनसे कह दे कि कंप्यूटर इनसे मिलना नहीं चाहता!
अरे, अरे! मास्टर!
ये दोनों तो वही बदमाश हैं, जिन्होंने पानी में खुजली की दवाई मिलाई थी।
अरे हां! और ये दादू के आदमी हैं। यानि मेरा शक सही था! दादू ठीक आदमी नहीं है।
यानि कुछ गड़बड़ है।
अगर कंप्यूटर बाहर आकर हमसे नहीं मिलेगा...
... तो हम अंदर जाकर उससे मिल लेंगे।
लेकिन शूटर के आगे बढ़ते ही-
टिशुम
अगर इन्होंने हमको पीटना शुरू कर दिया, तो हम बहुत पिटेंगे!
इसलिए इनको जल्दी से जल्दी भगाना होगा।
ये तो बड़े आराम से पिट रहे हैं।
तब तो मैं भी इन्हें पीटूंगा!

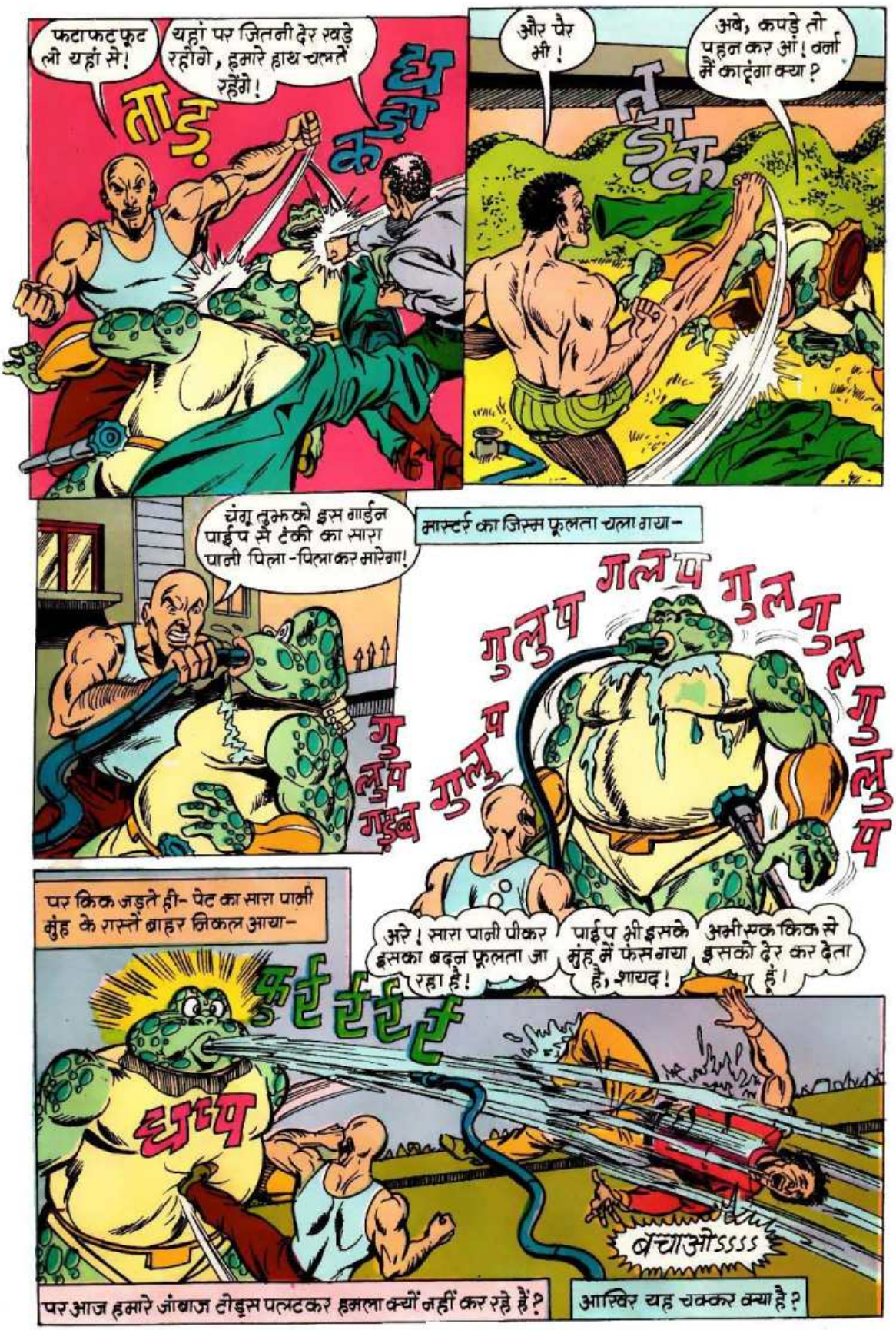

फटाफट फूट लो यहां से!
यहां पर जितनी देर खड़े रहोगे, हमारे हाथ चलते रहेंगे!
ताड़
धड़
कड़
और पैर भी!
अबे, कपड़े तो पहन कर आ! वर्ना मैं काटूंगा क्या?
तड़ाक
चंगू तुझको इस गार्डन पाईप से टंकी का सारा पानी पिला-पिलाकर मारेगा!
गुलुप
गड़ब
मास्टर का जिस्म फूलता चला गया-
गलप
गुलुप
गुल
गुल
गुलुप
अरे! सारा पानी पीकर इसका बदन फूलता जा रहा है!
पाईप भी इसके मुंह में फंस गया है, शायद!
अभी एक किक से इसको ढेर कर देता हूं!
पर किक जड़ते ही- पेट का सारा पानी मुंह के रास्ते बाहर निकल आया-
फ़र्र र्र र्र र्र
धप्प
बचाओऽऽऽऽ
पर आज हमारे जांबाज टोड्स पलटकर हमला क्यों नहीं कर रहे हैं?
आखिर यह चक्कर क्या है?

अटर्र, हम कुछ भूल रहे हैं!
कटर्र, तू सच कह रहा है!
और पीटूं या भाग रहे हो?
रुक जा, बे! देखता नहीं कि हम कुछ सोच रहे हैं।
हां, मास्टर्र! हम पिट क्यों रहे हैं?
कुछ समझ में नहीं आ रहा!
चंगू बदमाश, हम आखिर क्यों पिट रहे हैं?
तू ही बता!
मुझे क्या पता! तुम लोग पिटते जा रहे हो, तो हम पीटते जा रहे हैं!
वर्ना हम तो हमेशा पिटकर ही आते हैं। दरअसल हम नकली बदमाश हैं।
हुम! तब तो समस्या गंभीर हो गई!
तुम समस्या का हल सोचो!
और तब तक हम तुमको पीटते हैं!
तड़
और भीतर–
सेक्रेट्री, मेरी टांगें तो अब टूटने लगी हैं।
जरा देख वे तीनों गए या नहीं?
दादू, दादू! कमाल हो गया!
चंगू, मंगू, धंगू, नंगू ने तीनों को उठाकर बाहर पटक दिया है!
सच?

कटर, शूटर! अब मुझे समझ में आ रहा है कि हम क्यों पिटते रहे!
क्यों, मास्टर?
DADU
BUNGLOW NO 420
...और हमेशा 'टोड्स एक्शन' बोलने वाला, 'कंप्यूटर' हमारे बीच में था ही नहीं!
ओह!
क्योंकि बगैर 'टोड्स एक्शन' सुने हमारे खून में उबाल नहीं आता!..
छोटी मोटी पिटाई तो हम बगैर 'टोड्स एक्शन' सुने ही कर लेते हैं!
लेकिन बड़ी लड़ाई में जब तक कंप्यूटर की आवाज़ न सुनो, तब तक जोश नहीं आता!
और कंप्यूटर इन गुंडों के साथ फंसा हुआ है! उसको वापस गटर में लाना होगा! पर कैसे?
सोचते हैं। पहले यहां से निकल लो!
अगर हमने जबरदस्ती की तो कंप्यूटर की जान खतरे में भी पड़ सकती है!
शहर में—
POLICE HEADQUARTER
इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रसाधन, कपड़े और जाने क्या-क्या? आजकल शहर में इनकी नकली चीज़ों की बाढ़ सी आई हुई है।
असली आने के पहले ही नकली माल बाज़ार में धड़ल्ले से बिक रहा है!
और पता ही नहीं चल रहा है कि इन सबके पीछे कौन है?
सर! आप एक बेहद महत्वपूर्ण चीज़ को भूल गए!
कौन सी?
जाली नोट!
जाली नोट एक बार फिर प्रचलन में आ गए हैं, सर!
और इस बार के नकली नोटों की क्वालिटी के सामने तो असली नोट भी नकली लग रहे हैं!

ये देखिए, सर।
ये नकली नोट तो बिल्कुल असली जैसा लग रहा है।
सर, ये असली ही है।
नकली तो मैं आपको अब दे रहा हूँ!
ही ही ही!
इंस्पेक्टर छलांग सिंह! मुझे तो इन दोनों नोटों में कोई फर्क नहीं दिख रहा!
सर, पता नहीं किसने आपको घूस खाकर कमिश्नर बना दिया!
गौर से देखिए! फर्क महसूस हो जाएगा!
और फर्क महसूस करते ही –
ओहो! ओहो!
इस नकली नोट के मैटर पर तो मैंने ध्यान ही नहीं दिया था!
ये नोट है ही ऐसा सर! मुझे भी तब पता चला, जब मैंने ये नोट गोलगप्पे वाले को दिया!
और बदले में उसने मुझे घूंसे मारने शुरू कर दिए।
वो तो शुक्र है कि मेरी बीवी मेरे साथ थी, वर्ना मेरे सिर पर एक बाल भी नहीं बचता।
क्योंकि उस वक्त मैं वर्दी में भी नहीं था!
इंस्पेक्टर छलांग-सिंह! इस नोट से तो साफ पता लग रहा है कि ये नोट कौन छाप रहा है!
ये बात तो कोई पहले दर्जे का मूर्ख भी नोट को पढ़कर बता देगा!
वैसे सर, अब मेरे लिए क्या आदेश है?
फाइटर टोड्स को गिरफ्तार करो!
मुझे लगता है कि जाली नोटों के अलावा और भी कई नकली वस्तुएं बनाकर यही टोड्स बेच रहे हैं।
यस सर! मैं अभी शहर की सारी पुलिस को 'फाइटर टोड्स' की खोज में लगा देता हूं।
तो जाओ! अब जाते क्यों नहीं?
वो सर... मेरा असली वाला सौ का नोट...!
ही ही ही! शाम को राशन-सब्जी लेकर घर जाना है।
ओह! मैं तो भूल ही गया था! ही ही ही! इन अपराधियों के चक्कर में मैं भी कितना भुलक्कड़ होता जा रहा हूं!
कोई बात नहीं सर! पैसे लेकर वापस करने के बारे में हम पुलिस वालों की याददाश्त बहुत कमजोर होती रही है।
ही ही ही ही!

और फिर-
चिपकाओ! यहां पर चिपकाओ! वहां पर चिपकाओ!
चिपकाते जाओ!
शहर के चप्पे-चप्पे पर चिपका दो ये पोस्टर!
कम्बख्त सुबह से पोस्टर पर पोस्टर चिपकवा रहा है। जी करता है कि एक पोस्टर इसके थोबड़े पर भी चिपका दूं! गुर्रर्रर्र!
पोस्टर-
नकली नोटों के अपराधिक धंधे में लिप्त
फोटो पुलिस आर्टिस्ट द्वारा
'फाइटर टोड्स'
की तलाश में पुलिस की मदद करें!
और पायें रुपये 10,000- का
नकद इनाम
सूचना द्वारा
पुलिस कमिश्नर
वैधानिक चेतावनी- पुलिस से इनाम की इच्छा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।
और फाइटर टोड्स-
उफ! यह क्या?
अरे, अरे, मास्टर! ये तो हम हैं!
अरे हां! ये तो हम ही हैं।
अरे! मास्टर! इसे मैं हटाता हूं।
मगर ये हम यहां क्यों हैं?
मास्टर! वहां भी हम ही हैं!
यहां भी चिपकाओ! जल्दी करो!
अभी बहुत से पोस्टर चिपकाने हैं।
मगर पुलिस जी ऐसा क्यों कर रहे हैं?
उन्हीं से चलकर पूछते हैं, मास्टर!
मास्टर, वह देखो!
वो पुलिस जी हमको दीवारों पर चिपका रहे हैं।
चलो!

चिपकाओ! नहीं, उधर नहीं!
थोड़ा नीचे... थोड़ा ऊपर...
देखते नहीं, क्या लिखा है इन पोस्टरों पर? ये चारों भयानक अपराधी हैं!
नकली चीजें बनाते और नकली नोट छापते हैं! इनको पकड़वाओगे तो दस हजार रुपए का इनाम पाओगे!
पुलिस जी, आप ये क्यों चिपका रहे हैं?
उधर नहीं! नीचे!
थोड़ा बायें! नहीं, दायें!
अच्छा, बायें ही चेप दो!
मास्टर! हम अपराधी?
हमने नकली नोट कब छापे?
तुम ठीक कह रहे हो, मास्टर!
उससे नोट छापना बंद कराना होगा! वर्ना हम अपराधी बन जायेंगे!
अभी यहां से खिसक लो! गटर में चलकर प्लान बनाते हैं!
ये नोट जरूर कंप्यूटर छाप रहा है!
कहीं इस पुलिस जी को हम पर शक हो गया तो, टोप उतरवा लेगा!
दादू के बंगले पर—
दादू! दादू!
दादू अन्दर हैं! इंतजार करो!
SHHH... HHH
TOILET
उनका पेट खुशी के मारे खराब हो गया है!
अहा! लंपट, चंपत!
लो, मेरे बच्चो! जल्दी से दादू दादा को हरे-हरे करारे असली नोट दे दो!
ये लो, दादू!

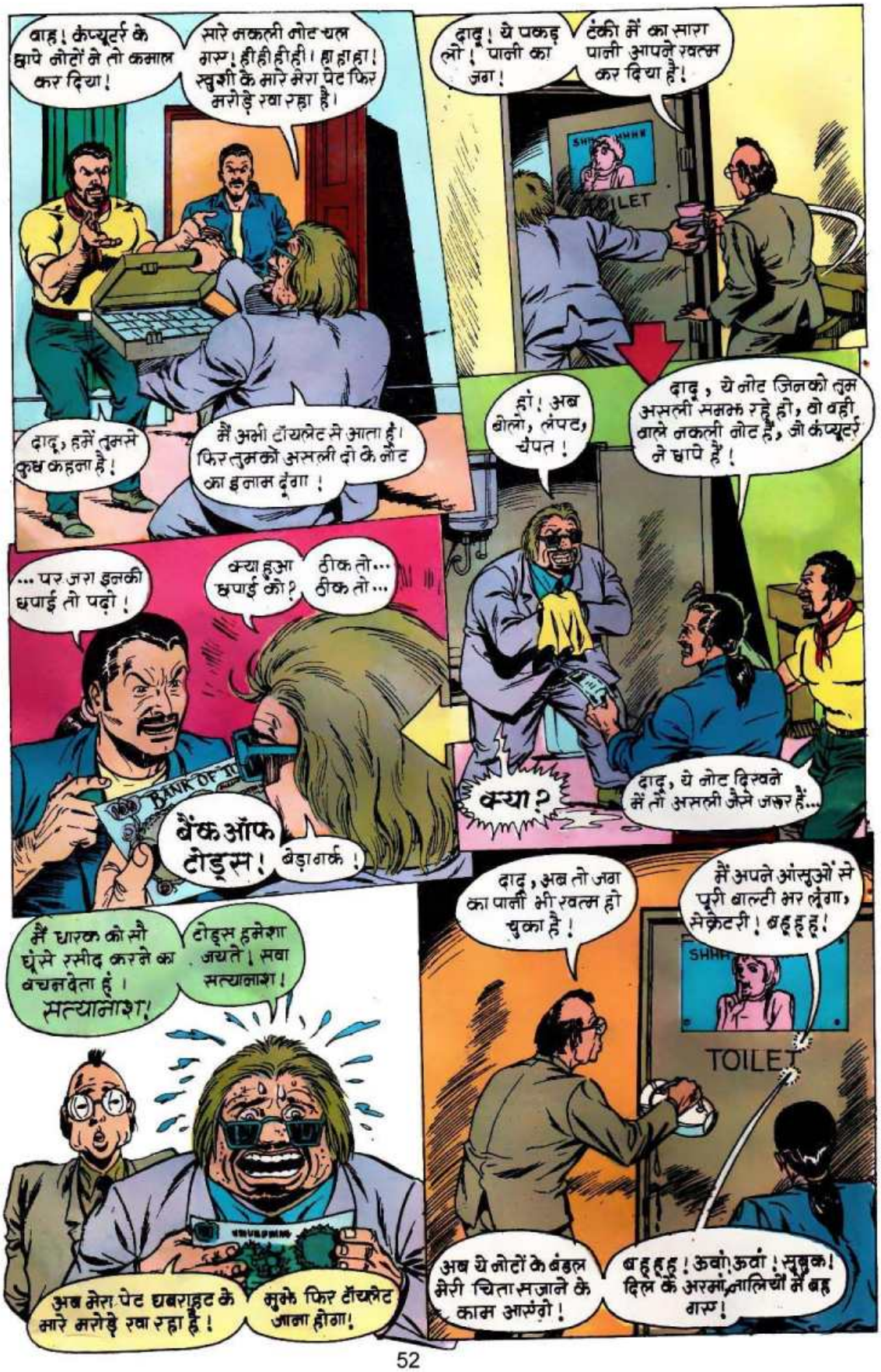

वाह! कंप्यूटर के छापे नोटों ने तो कमाल कर दिया!
सारे नकली नोट चल गए! हीहीहीही! हाहाहा! खुशी के मारे मेरा पेट फिर मरोड़े खा रहा है।
दादू, हमें तुमसे कुछ कहना है!
मैं अभी टॉयलेट से आता हूँ! फिर तुमको असली दो के नोट का इनाम दूंगा!
दादू! ये पकड़ लो! पानी का जग!
टंकी में का सारा पानी आपने खत्म कर दिया है!
TOILET
हां! अब बोलो, लंपट, चंपत!
दादू, ये नोट जिनको तुम असली समझ रहे हो, वो वही वाले नकली नोट हैं, जो कंप्यूटर ने छापे हैं!
क्या?
दादू, ये नोट दिखने में तो असली जैसे जरूर हैं...
...पर जरा इनकी छपाई तो पढ़ो!
क्या हुआ छपाई को?
ठीक तो... ठीक तो...
बैंक ऑफ टोडूस!
बेड़ागर्क!
मैं धारक को सौ घूंसे रसीद करने का वचन देता हूं। सत्यानाश!
टोडूस हमेशा जयते! सवा सत्यानाश!
अब मेरा पेट घबराहट के मारे मरोड़े खा रहा है!
मुझे फिर टॉयलेट जाना होगा!
दादू, अब तो जग का पानी भी खत्म हो चुका है!
मैं अपने आंसुओं से पूरी बाल्टी भर लूंगा, सेक्रेटरी! बहूहूहू!
TOILET
अब ये नोटों के बंडल मेरी चिता सजाने के काम आएंगे!
बहूहूहू! ऊवां ऊवां! सुबक! दिल के अरमां नालियों में बह गए!

दादू! अब क्या होगा? पुलिस हम तक तो नहीं पहुंच जास्गी?
नहीं रे! जूड़ी के मरीज़ की तरह मत कांप। क्योंकि अब मैं खुद नकली नोट छापने वाले अपराधी- 'कंप्यूटर' को पुलिस के सुपुर्द कर दूंगा।
पुलिस, कंप्यूटर के जरिस बाकी टोड्स को भी पकड़ लेगी।
वाह दादू! और स्क बार अपराधी साबित हो जाने के बाद, ये टोड चाहे आप पर लाख इल्जाम लगास्ं, इनकी बात कोई नहीं मानेगा!
हां, सेक्रेट्री! हमारे नकली धंधों का स्क मात्र सबूत है, यह डायरी!
लंपट, चंपत, इस डायरी को जला कर खाक कर दो! फिर हमारे खिलाफ कोई सबूत नहीं बचेगा!
जो हुक्म, दादू!
अब सिर्फ कंप्यूटर का इंतजाम करना बाकी है।
थोड़ी देर बाद-
आओ, दादू! अब बताओ, कितने का नोट छापना है?
इस बार तो हम तुझे छापने आस हैं, मेंढक!
चंगू, मंगू! इसका कंप्यूटर छीन लो!
मेरा कंप्यूटर? पर क्यों?
क्यों के पुत्तर, उतार कंप्यूटर! छाती पर टांगे-टांगे घूमता रहता है।
छाती पर टांगे? टांगे तो पेट के नीचे होती हैं। छाती पर नहीं होतीं!
'जोक' मारता है।
अरे, अरे, दादू! ये मेरा कंप्यूटर छीन रहे हैं!
ये मेरे ही हुक्म पर ऐसा कर रहे हैं!
क्योंकि अब तेरा कंप्यूटर तो मैं भी चला सकता हूं!
तुझे पुलिस के हवाले करने के बाद मैं खुद इससे असली छपाई वाले नोट छापूंगा।

उधर लंपट और चंपत –
यार लंपट, देख कमाल हो गया! दादू जैसा कंजूस आदमी इतना दिलदार कैसे हो गया?
क्या हो गया?
देख! इस डायरी के आधे से ज्यादा पन्ने तो सरेदम सादे हैं! सादे पन्ने दादू जैसा कंजूस आदमी कभी नहीं जला सकता!
भूल गया होगा! इसमें से लिखे हुए पन्ने फाड़ कर बाकी डायरी दादू को वापस कर देते हैं।
हमारी अक्लमंदी पर खुश होकर दादू, चायू के दो-दो रुपए और देगा!
ठीक है, लेकिन इन जरा से पन्नों को कौन जलाएगा! इसे यहीं गटर में फेंक देते हैं।
दादू से कह देंगे कि जला दिए!
तू कितना बुद्धिमान है, लंपट! ये सारे पन्ने गटर के अंदर!
अब पुलिस दादू का कुछ नहीं बिगाड़ सकती!
मास्टर! इनमें से तो हर पन्ने पर दादू का नाम लिखा है, साथ में आगे कुछ नंबर भी लिखे हुए हैं!
दादू?
ये दादू-दादू कौन चिल्ला रहा है?
और ये कागज़ कैसे हैं? चलो, सारे कागजों को बटोरो!
लेकिन उसने ये पन्ने गटर में क्यों फिकवाए?
इतना तो हम समझ चुके हैं कि दादू किसी किस्म का अपराधी है!
ये कागज़ जरूर उसके काले कारनामों के सबूत हैं, जो किस्मत से हमारे हाथ लगे हैं!

किस्मत की बात सही है, मास्टर! हम तो इस रास्ते से, दादू के घर के अंदर जाकर, कंप्यूटर से मिलने के लिए जा रहे थे!
अब देर करना ठीक नहीं है।
कंप्यूटर, सचमुच खतरे में था-
मैंने पुलिस को फोन कर दिया है! इंस्पेक्टर धतींगा सिंह अब आता ही होगा!...
कंप्यूटर की जान खतरे में भी हो सकती है!
... तब तक मैं एक बार फिर टॉयलेट...
दादू!
कड़ड़ड़ड़ड़ड़
फाइटर टोड्स!!
तू घबरा मत, कंप्यूटर! ये देख! दादू के काले कारनामों के सबूत, ये पन्ने!
अरे! ये तो मेरी डायरी के पन्ने हैं! ये इनके हाथ कैसे लगे?
पन्ने छीन लो इनसे! वर्ना हम सब मारे जायेंगे!
अब हम इसको सजा दिलवाकर ही छोड़ेंगे!

तू सारे गिले-शिकवे भुलाकर मुझे माफ कर देना, कंप्यूटर! मैं तुझे अभी आज़ाद करवाता...
हूं SSSSSSSSS
धाड़
तुम लोग एक बार फिर पिटने चले आए?
लगता है कि पिछली बार हमसे कुछ कसर बाकी रह गई थी।
लेकिन इस बार हम इनकी सारी हड्डियां तोड़कर ही भेजेंगे!
तड़
टिशू
ओफ! मास्टर, शूटर, कटर! मेरे सच्चे दोस्तो! मैंने तुम्हारे साथ कितना बुरा सुलूक किया, लेकिन फिर भी तुम मुझे बचाने चले आए! सुबुक, सुबुक!
टोड्स एक बार फिर पिट रहे थे।
मास्टर, हम फिर पिट रहे हैं!
पर ये लोग तो हमको कंप्यूटर तक पहुंचने ही नहीं दे रहे हैं!
तड़ाक
यह बड़ी लड़ाई है!
कंप्यूटर से बिना 'एक्शनटोड्स' सुने हममें फुर्ती नहीं आएगी!
लेकिन कंप्यूटर का मुंह तो बंद है।
उसका मुंह खोलना पड़ेगा!

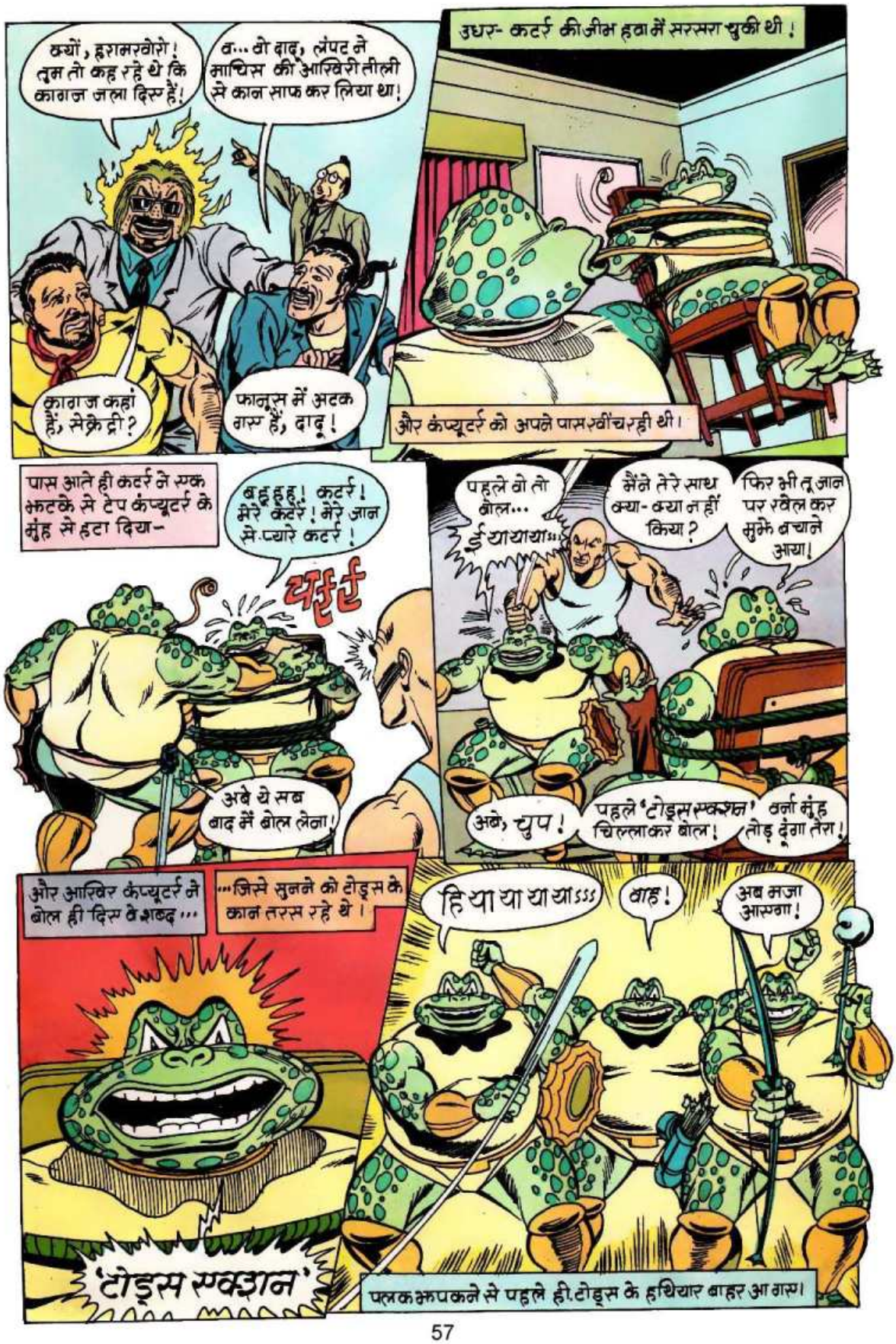

क्यों, हरामखोरो! तुम तो कह रहे थे कि कागज जला दिए हैं!
व... वो दादू, लंपट ने माचिस की आखिरी तीली से कान साफ कर लिया था!
कागज कहां हैं, सेक्रेट्री?
फानूस में अटक गए हैं, दादू!
उधर- कटर्र की जीभ हवा में सरसरा चुकी थी!
और कंप्यूटर को अपने पास खींच रही थी।
पास आते ही कटर्र ने एक झटके से टेप कंप्यूटर के मुंह से हटा दिया-
बहुहुहु! कटर्र! मेरे कटर्र! मेरे जान से प्यारे कटर्र!
चर्र्र
अबे ये सब बाद में बोल लेना!
पहले वो तो बोल...
ई यायाया
मैंने तेरे साथ क्या-क्या नहीं किया?
फिर भी तू जान पर खेल कर मुझे बचाने आया!
अबे, चुप!
पहले 'टोड्स स्क्वाड' चिल्लाकर बोल!
वर्ना मुंह तोड़ दूंगा तेरा!
और आखिर कंप्यूटर ने बोल ही दिए वे शब्द...
...जिसे सुनने को टोड्स के कान तरस रहे थे।
'टोड्स स्क्वाड'
हियाया या याSSS
वाह!
अब मजा आएगा!
पलक झपकने से पहले ही टोड्स के हथियार बाहर आ गए।

और उछलकर मास्टर की तरफ आता मंगू-
ई या या ऊ ऊ ऊ ऊsss
कटर की तलवार लहराई !
कटर, बच !
खचक्
खड़ा हो जा, कंप्यूटर!
अब तू आजाद है।
धड़ाक
वापस वहीं जा गिरा जहां से वह आया था।
अब टोड्स को कौन रोक सकता था ?
मेरा नाड़ा !
खच
चारों तरफ शूटर के बाण उड़ रहे थे।
खट खट
टन्न टन्न
दादू अपने काम में लगा था !
हा हा हा, मिल गए पन्ने !
उसी पल कटर की तलवार चमकी...
खचक
हा हा हाsss
...और टेबल के पैर कटकर नीचे आ गिरे।

अरे! अरे! कंप्यूटर्र दोस्त! मुझे नीचे उतार ले! मैंने तुझे गुल-गुले बिस्तर पर सुलाया! खाने को शाही कीट पतंगे दिए! ही ही ही!
तू कितना अच्छा है, पुच्ची पुच्ची! मुझे नीचे उतार कंप्यूटर्र!
शूटर्र, इसे नीचे उतार दो!
अभी लो कंप्यूटर्र!
दादू नीचे उतर आया!
सांय
खट
अब मैं अपना कंप्यूटर फिर से पहन लूं!
टोड फिर से बदमाशों से निपटने लगे!
कहां भाग रहे हो, श्री लंपट और चंपत?
धाड़
धमाक
दादू! मेरी मानो तो, अब फूट लो यहां से!
तू ठीक कह रहा है, सेक्रेट्री!
हूं... हम रस्सी लाने जा रहे हैं! ताकि तुम दादू और उसके आदमियों को बांध कर पुलिस के हवाले कर सको!
उसकी चिंता मत करो, बच्चो!
पुलिस के आने से पहले कोई होश में नहीं आएगा!
सब निपट गए मास्टर्र!
घर्र्र्र्र्र्र्र
लेकिन दादू और सेक्रेट्री कहीं नजर नहीं आ रहे हैं!
बाहर से यह घर्र्र्र की आवाज कैसे आई?
अरे! दादू और सेक्रेट्री कार वाहन से भाग रहे हैं।
पकड़ो इन्हें!

लेकिन बाहर निकलते ही-
ओह!
धम्म
अरे! तौकी जी, आप यहां?
अरे! फाइटर टोड्स, तुम यहां कैसे?
मुझे तो दादू ने फोन करके यहां बुलाया था; उनका पेट खराब हो गया है।
ओह! वह शैतान दादू! हम उसी शैतान का पीछा करने जा रहे थे!
दादू शैतान? उस धर्मात्मा को तुम शैतान क्यों कह रहे हो?
तौकी जी! दादू कई नकली चीजों के बनाने का धंधा करता है। नकली नोट छापने का भी। ये पन्ने उसके काले कारनामों का सबूत हैं।
सच में! दादू तो भेड़ की खाल में भेड़िया निकला!
वह किधर भागा है?
उस तरफ।
आओ, मेरी कार में! हम उसको भागने नहीं देंगे!
और रास्ते में तुम मुझे पूरी कहानी सुना देना!
और तेज चला, सेक्रेट्री! और तेज़!... पर... पर... इंजन से ये आवाज कैसी आ रही है?
पता नहीं दादू! मेरा तो दिल यह सोच-सोच कर बैठा जा रहा है कि जेल का पायजामा मुझे पूरा आएगा भी या नहीं।
घर्र किट कट
इंजन से ये आवाजें कैसी आ रही हैं, कार भी रुक रही है!
अरे! कार कैसे रुक गई?
पैट्रोल तो फुल है, दादू! और कार भी एकदम नई है।
पैट्रोल फुल है! कार नई है!
ओह! पर तूने पैट्रोल भरवाया कहां से था?
घासीराम एंड संस पैट्रोल पंप से!
बेड़ा गर्क! अभी कल ही तो मिलावटी पैट्रोल के तीन टैंकर मैंने वहां पर भेजे थे!
ही ही ही ही
अरे, दादू, आप यहां? मैं तो आपके घर कंप्यूटर को पकड़ने जा रहा था!
ही ही ही... य... य... वो... प... ..प...
हे भगवान! जेल के पायजामे में नाड़ा होता भी है, या नहीं!
इनको अपने घर नहीं, बड़े घर ले जाइए, इंस्पेक्टर साहब!
डॉ० तौकी, आप?
हां, मैं! असली मुजरिम दादू है! इन पन्नों को पढ़िए जरा!

कागज पढ़ने के बाद-
ओह, दादू! तो असली मुजरिम तुम हो! और मैं उन भोले-भाले टोड्स को अपराधी समझ रहा था!
डॉक्टर साहब! फाइटर टोड्स कहां हैं! मैं उनसे अपनी भूल के लिए माफी मांगना चाहता हूं।
आइए! फाइटर टोड्स मेरी कार में हैं।
अरे! कहां गए?
लगता है टोड्स, गटर के रास्ते से वापस अपने घर पहुंच चुके हैं।
गटर में-
मास्टर! शूटर, कटर...
...मुझे माफ कर दो! कर दिया न?
कर दे, यार! वर्ना यह रो-रोकर अपने आंसुओं से यहां पर कीचड़ कर देगा!
अब तो तू समझ गया न कंप्यूटर, कि बाहर की दुनिया चमकीली भड़कीली चाहे कितनी भी हो...
...अपना घर फिर अपना घर...
अरे! बत्ती आ गई!
टी० वी० भी चल गया!
अपने आप?
अपने आप नहीं! दादू को पकड़वाने के लिए तुमको दस हजार रुपए का इनाम मिला है। एक हजार रुपए मैंने मीटर सिक्योरिटी जमा करा दी है!
और टेंपरेरी कनैक्शन तुरंत लगवा दिया है।
ये लो, बाकी के नौ हजार! असली नोटों में।
तौकी जी की...
तौकी जी की...
जय!
अरे रे रे! उतारो मुझे! मैं नीचे गिर जाऊंगी!
समाप्त.